RNI.No.MPHIN/58880/95

दैनिक

विद्रोही तेवर

सफलतम 30 वर्ष
सच बेधड़क

● वर्ष-31 ● अंक- 159 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, मंगलवार 09 जून, 2026 ● मूल्य 1 रुपया ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

अब आसमान से भारत की जासूसी कर रहा पाकिस्तान

● मात्र 16 महीने में ही लॉन्च कर दिए छह सैटेलाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आतंकी गतिविधियों को जारी रखने के लिए पाकिस्तान एड़ी-चोटी का जोर लगा देता है। इसको लेकर कोई भी शक नहीं है। वहीं भारत पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान अब सैटलाइट्स का इस्तेमाल कर रहा है। द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पिछले एक साल में 6 सैटेलाइन लॉन्च किए हैं। इन सैटलाइट्स को इस तरह से अलाइन किया गया है कि भारत पर नजर रखी जा सके। खास तौर पर उत्तरी भारत या यूं कहें कि जम्मू-कश्मीर की आसमान से रेकी करने के लिए पाकिस्तान पूरा जोर लगा रहे है।

चीन की मदद से भारत पर नजर रखना चाहता है पाकिस्तान- स्पेस टेक्नॉलजी के मामले में पाकिस्तान भारत के मुकाबले कहीं नहीं टिकता है। उसका उद्देश्य भी बहुत संकीर्ण है। एक तरफ भारत चंद्रमा तक की यात्रा कर रहा है तो दूसरी ओर पाकिस्तान सैटेलाइट्स छोड़कर भी केवल जासूसी कर रहा है। वह इस मामले में चीन की मदद लेता है। चीन और पाकिस्तान एक दूसरे के सदाबहार दोस्त होने के नाते भारत के खिलाफ तत्काल एकजुट हो जाते हैं। पाकिस्तान ने पिछले 16 महीने में ही 6 सैटेलाइट लॉन्च कर दिए हैं।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं

● 32 की मौत, 4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं, 2 घंटे में 138 झटके आए

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5.07 बजे

आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए।

सहकारिता समाज के सामूहिक उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम

● मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने की तारीफ, कहा-सरकार करेगी और सशक्त ● सहकारिता में मजबूती लाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देंगे नई गति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकारिता क्षेत्र प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी सरकार इसे और अधिक सशक्त बनाकर किसानों, ग्रामीणों तथा छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनायेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक व्यवस्था ही नहीं, यह समाज के सामूहिक उत्थान का प्राचीन और बड़ा माध्यम है। हम इसे आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि हम सहकारी मॉडल का समयबद्ध, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे आमजन को इसका वास्तविक और अधिकतम लाभ मिल सके।

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे किसानों को ऋण, बीज, उर्वरक और विपणन जैसी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नई योजनाओं के जरिए युवाओं और किसानों को जोड़कर सहकारिता को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सहकारी संस्थाओं की दैनंदिन कार्यप्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर इन्हें अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है। सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के साथ ही इनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं का विस्तार किया जा रहा है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से नवाचार, पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

● **सहकारिता की बेहतरी के लिए केंद्र से कर रहे समन्वय-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सहकारिता को नई दिशा देने के लिए हमारी सरकार केंद्र सरकार से लगातार समन्वय कर रही है। हमने प्रदेश के 4 हज़ार 536 से अधिक पैक्स का सफलतापूर्वक कंप्यूटराइजेशन पूरा करा लिया है। इन सभी पैक्स की जानकारी केन्द्र सरकार की अपेक्षानुसार एनसीडी पोर्टल पर अद्यतन भी कर दी गई है। दूध (श्वेत) क्रांति 2.0 को प्रभावी एवं सफल बनाने तथा वित्तीय समावेशन के लिए दुग्ध समितियों एवं सदस्यों के खाते जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में खोले गये हैं। अन्य संस्थाओं को भी सहकारी बैंकों में लेन-देन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीसीएसएसएल) तथा मप्र राज्य सहकारी बीज संघ के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है।

ममता की टीएमसी में 'भूचाल'

● 20 बागी सांसदों ने ओम बिरला को सौंपा पत्र

पत्र में एनडीए में शामिल होने की जताई इच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने भी ममता का साथ छोड़ दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने भी सोमवार को यही दावा किया। उन्होंने बताया कि 20 सांसदों ने एनडीए को समर्थन देने की जानकारी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को दे दी है। जल्द ही स्पीकर को पत्र भी भेज दिया जाएगा। इनमें से 11 सांसदों ने सोमवार दोपहर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे।

सुखेंदु का दावा- टीएमसी के लोग से ममता से नाराज

टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है।

सुखेन्दु शेखर रॉय का इस्तीफा, छोड़ी टीएमसी

दूसरी ओर सुखेन्दु शेखर रॉय के सांसद पद और पार्टी सदस्यता, दोनों से इस्तीफे के तुरंत बाद एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें कम से कम पांच टीएमसी सांसद उनके साथ दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि उस बैठक में शर्मिला सरकार (बर्धमान पूर्व), प्रसून बनर्जी (हावड़ा) जगदीश बसुनिया (कूचबिहार), कालिपद सोरेन (झारग्राम) और अरूप चक्रवर्ती (बांकुरा) थे। यहां आपको बता दें कि सुखेंदु शेखर रॉय पिछले एक दशक से ज्यादा समय से राज्यसभा में टीएमसी के प्रमुख चेहरे रहे हैं। बता दें कि यह नया घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल के विधायक दल के विद्रोह के महज कुछ दिन बाद आया है। हाल ही में 58 तृणमूल विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत करते हुए विपक्ष के नेता पद के लिए ऋतब्रत बनर्जी का समर्थन किया और आधिकारिक उम्मीदवार शोभनदेव चट्टोपाध्याय को खारिज कर दिया था। विधानसभा अध्यक्ष ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दे दी। इस घटना ने विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी के भीतर गहरी दरारों को उजागर कर दिया था। इस घटनाक्रम के बाद नए समीकरण बनने की अटकलें तेज हो गई हैं।

टीएमसी के नेता 'पुष्पा' जहांगीर खान गिरफ्तार

एसटीएफ ने नेपाल सीमा पर पकड़ा, भागने की फिराक में था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान विवादों में बने रहने वाले 'पुष्पा' यानी जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। बंगाल पुलिस की स्पेशनल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने यह ऐक्शन लिया है। जानकारी के मुताबिक उन्हें भारत-नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया है। बीते दिनों कलकत्ता हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। फलता में हिंसा को लेकर उनपर ऐक्शन लिया गया है। बता दें कि दक्षिण 24 परगना की फलता सीट से जहांगीर खान टीएमसी के उम्मीदवार थे। चुनाव के वक्त उन पर हिंसा और लोगों को धमकाने का आरोप लगा था। चुनाव में गड़बड़ियों की शिकायत के बाद इस सीट पर दोबारा चुनाव हुआ और बीजेपी ने जबरदस्त जीत हासिल की। वहीं जहांगीर खान पहले ही हथियार डाल चुके थे।

● **आईपीएस अजय पाल शर्मा से हो गया था विवाद-** फलता चुनाव के दौरान जहांगीर खान का ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए अजय पाल शर्मा से विवाद हो गया था। जहांगीर खान ने कहा था कि अगर अजय पाल शर्मा खुद को सिंघम समझते हैं तो वह भी पुष्पा हैं और झुकने का कोई सवाल नहीं है। अजय पाल शर्मा ने भी उन पर शिकंजा कसने में कसर नहीं छोड़ी। माना जाता है कि खान अभिषेक बनर्जी के करीबी हैं। फलता की हार के बाद भी अभिषेक बनर्जी पर सवाल खड़े किए गए थे। फलता में दोबारा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी प्रचार में उतर गए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि वह पुष्पा को हराने आए हैं।

नीट में देश के युवाओं के साथ हुआ धोखा

● खड़गे ने कहा-गड़बड़ी पर शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें ● कहा- एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम काटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की 2 साल बाद हुई 7वीं बैठक में सोमवार को 25 दलों के नेता शामिल हुए। दिल्ली में हुई इस बैठक में उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ऑनलाइन जुड़े, जबकि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले, कपिल सिब्बल समेत कई शामिल हुए। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी है। नीट में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ है। नीट और सीबीएसई की गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं, वह तुरंत इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि गठबंधन हर 2 महीने में महंगाई, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर बैठक करेगा। एसआईआर और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर इंडिया ब्लॉक सीजेआई को लेटर भी लिखेगा। 8 अगस्त को अगली बैठक हैदराबाद में होगी।

बोले- इंडिया ब्लॉक सीजेआई को लेटर लिखेगा

● **एनडीए सरकार पर बरसे मल्लिकार्जुन खरगे-** कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में अपनी एकजुटता और एकता को बहुत निर्णायक तरीके से दिखाया, जब हम सबने मजबूती से एकजुट होकर डिलिमिटेशन पर मोदी सरकार के दुर्भावनापूर्ण बिलों को परास्त किया।

कांग्रेस बोली- कई क्षेत्रों में निजी एकाधिकार बढ़ रहा

खरगे ने आगे कहा कि कई क्षेत्रों में निजी एकाधिकार बढ़ रहा है और युवाओं का भविष्य गंभीर संकट में है। परीक्षा प्रणाली के पूर्ण कुप्रबंधन के कारण हमारे लाखों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। समाज के कमजोर वर्गों पर अत्याचार, खासकर बीजेपी शासित राज्यों में, लगातार जारी हैं। हमारी विदेश नीति के साथ पूरी तरह से समझौता किया गया है और उन पारंपरिक मूल्यों को कायम नहीं रखा गया है, जिनकी भारत लंबे समय से पुरजोर समर्थन करता रहा है।

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर शुरू हो गई जंग

● होर्मुज में जहाज पर हमले में 24 भारतीय फंसे, नेवी से मांगी मदद

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इजराइल के अप्रैल में हुए सीजफायर के 2 महीने बाद दोबारा जंग शुरू हो गई। ईरान ने रविवार रात इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि यह कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमलों के जवाब में की गई है। इसके जवाब में इजराइल ने ईरान के कई सैन्य और रक्षा ठिकानों पर हमला किया। ईरानी समाचार एजेंसी के मुताबिक, तेहरान, तबरीज और इस्फहान में कई विस्फोट हुए। वहीं, आईआरजीसी ने दावा किया कि इजराइल ने इन हमलों में एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। अमेरिका-ईरान तनाव बना हुआ है।

● **ईरान, इराक और सीरिया ने एयरस्पेस बंद किया-** तनाव बढ़ने के बाद ईरान ने पश्चिमी हिस्से का एयरस्पेस अगली सूचना तक बंद कर दिया। इराक ने 72 घंटे और सीरिया ने 12 घंटे के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खतरा बने दो ईरानी ड्रोन को मार गिराया गया। लगातार दूसरे दिन अमेरिका ने ऐसे ड्रोन गिराने का दावा किया है।

हमलों के बाद पश्चिम एशिया में चरम पर तनाव

भारत ने शांति के लिए बातचीत पर दिया है जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद, भारत ने सोमवार को फिर से संघर्ष को तुरंत कम करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए बातचीत के जरिए समाधान निकालने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह संघर्ष, जो 100 दिनों से ज्यादा समय से चल रहा है, इसके कारण बहुत ज्यादा परेशानी हुई है और इसने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर डाला है। बयान में कहा गया है कि भारत को पश्चिम एशिया में फिर से शुरू हुए हमलों पर गहरा अफसोस है। ये घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बहुत चिंता का विषय है। यह संघर्ष अब 100 दिनों से ज्यादा समय से चल रहा है और इसके कारण पहले ही बहुत ज्यादा मानवीय पीड़ा हुई है। इसने वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर भी बुरा असर डाला है।

● एमपी के एक लाख संविदाकर्मियों का बढ़ गया वेतन

हर महीने 2700 रुपए तक ज्यादा मिलेगी सैलरी, वित्त विभाग ने जारी किए आदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश के एक लाख से अधिक संविदा अधिकारी-कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी होगी। वित्त विभाग ने सोमवार को इसके आदेश जारी कर दिए हैं। एक अप्रैल 2026 से उनके पारिश्रमिक में 4.46 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि लागू होगी। संविदा अधिकारी-कर्मचारी संघ का दावा है कि इससे कर्मचारियों के वेतन में हर महीने करीब 1 हजार से 2700 रुपए तक का इजाफा होगा। संविदा अधिकारी-कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में बढ़ोतरी का लाभ कर्मचारियों को मिलेगा। इसके लिए संघ लगातार मांग कर रहा था। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार भी जताया।

पिछले साल से ज्यादा बढ़ी दर- वित्त विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग की 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के आधार पर यह आदेश जारी किया है। नीति के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर हर साल संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में वृद्धि की जाती है। एक अप्रैल 2026 की स्थिति में वार्षिक वृद्धि दर 4.46 प्रतिशत तय की गई है। पिछले साल यह दर 2.94 प्रतिशत थी। यानी इस बार कर्मचारियों को पिछले साल की तुलना में अधिक वृद्धि मिलेगी।

2023 की नीति से वेतनमान हुए थे एक समान- रमेश राठौर के मुताबिक जुलाई 2023 की संविदा नीति से पहले अलग-अलग विभागों में समान पदों पर कार्यरत कर्मचारियों को अलग-अलग वेतन मिलता था।

यवतमाल में शिवसेना का बड़ा शक्ति प्रदर्शन, जितेश नावडे और साहेबराव कांबले शिंदे गुट में शामिल

यवतमाल , एजेंसी। राजनीति में बदलाव को स्वाभाविक माना जाता है और इसी बदलाव की एक नई मिसाल यवतमाल जिले में देखने को मिली है। सहकारिता क्षेत्र के युवा उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता जितेश नावडे ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शिवसेना में प्रवेश कर जिले की राजनीतिक चर्चाओं को नया आयाम दे दिया है। जितेश नावडे इससे पहले शिवसेना (उद्धव की सहकार आघाड़ी में सक्रिय रूप से कार्यरत थे।

सहकारिता क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़, युवाओं के बीच लोकप्रियता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक संगठनात्मक नेटवर्क को देखते हुए उनके दल परिवर्तन को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी जिला परिषद एवं स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनावों के मद्देनजर इस घटनाक्रम का असर राजनीतिक समीकरणों पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। यह प्रवेश समारोह राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा राज्य के मृदा एवं जलसंधारण मंत्री संजय राठौड़ के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिवसेना विदर्भ पश्चिम के सहसंपर्क प्रमुख पराग पिंगले प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने शिवसेना और पार्टी नेतृत्व के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की, जिससे पूरा

सभागार उत्साह से गूंज उठा। समारोह में जितेश नावडे के करीबी समर्थक माने जाने वाले राजमोहन गिरी ने भी अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना का दामन थाम लिया। इससे पार्टी की संगठनात्मक ताकत और बढ़ने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में शुरू हो गई है।

यवतमाल जिला स्थानीक स्वराज संस्था विधान परिषद चुनाव के ऐन मौके पर कांग्रेस को पटखनी देनेवाले पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार साहबराव कांबले ने आखिरकार रविवार को मुंबई में अधिकृत रूप से शिवसेना शिंदे समूह में प्रवेश किया। केवल सप्ताहभर पहले कांबले ने पूरी महाविकास आघाडी को अंधेरे में रखते हुए चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था। उन्होंने अब सीधे सत्ताधारियों के पार्टी में प्रवेश करने से यवतमाल की राजनीति में भूचाल आ गया है।

इस गतिविधि से जिले में कांग्रेस कमजोर हो गई है। विधान परिषद चुनाव के मैदान से नामांकन वापस लेने के बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से दो दिनों पहले साहबराव कांबले को पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। कार्रवाई को 24 घंटे बीतने से पहले ही कांबले ने मुंबई पहुंचकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पालकमंत्री संजय राठोड की उपस्थिति में शिवसेना का दामन थाम लिया। शिवसेना पार्टी प्रवेश से पूर्व साहबराव कांबले ने कांग्रेस नेताओं और स्थानीक जिलाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। साहबराव कांबले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब केवल पैसों की भाषा करती है। जबरन उम्मीदवारी आवेदन भरवाने के बाद पैसों की डिमांड की गई। इतना ही नहीं तो जिलाध्यक्ष ने बार बार पिछडावर्गीय कहते हुए अपमान किया। अपने स्वाभिमान के लिए और कांग्रेस की कुटील नीतियों का विरोध करने के लिए उन्होंने यह निर्णय लेने का दावा किया।

5 साल के एमओयू से बदलेगी तस्वीर, नागपुर-वर्धा में मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस

नागपुर, एजेंसी। मुंबई में राज्य के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों की मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नागपुर और वर्धा जिले में 'उड़ान' परियोजना को विस्तार देते हुए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वास्थ्य विभाग और दो स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच पांच वर्षों के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दी है। राज्य सरकार के निर्णयानुसार ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्था, सौसर (मध्य प्रदेश) और अन्यथा फाउंडेशन के सहयोग से जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। यह समझौता 1 अगस्त, 2026 से 31 जुलाई, 2031 तक प्रभावी रहेगा। स्वास्थ्य विभाग ने इस समझौते के लिए स्वास्थ्य सेवा निदेशक को अधिकृत किया है। किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। राज्य में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह निर्णय बेहद अहम माना जा रहा है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य व तंत्रिका विज्ञान संस्थान के सर्वेक्षण के अनुसार देश में लगभग 10 से 14 प्रतिशत वयस्क किसी न किसी मानसिक विकार से प्रभावित हैं।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ की जेल में मिले एचआईवी संक्रमित चार कैदी, कैसे पहुंचा संक्रमण?

जांजगीर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिला जेल में नियमित स्वास्थ्य जांच में

चार कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पहले दो कैदियों में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उन्होंने आगे बताया कि इसके बाद जेल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अन्य कैदियों की स्क्रीनिंग कराई, जिसमें दो और संक्रमित पाए गए। जानकारी मिलते ही संक्रमित कैदियों का उपचार प्रारंभ कर दिया गया है। नियमित रूप से की जाती है जरूरी जांच जेल अधीक्षक डॉ. डी टोंडर ने बताया कि जेल में किसी भी कैदी को प्रवेश देने से पहले उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है। बीपी, शुगर सहित अन्य आवश्यक जांच नियमित रूप से की जाती है। कराया जा रहा संक्रमित कैदियों का इलाज एचआईवी संक्रमित कैदियों का इलाज बिलासपुर से उपलब्ध दवाओं और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि संक्रमित कैदियों तक यह संक्रमण कैसे पहुंचा।

सदन में सरकार का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में वामपक्ष पूरी तरह विफल रहा: जी सुधाकरन

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में अंबालापुझा से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (षस्र) समर्थित निर्दलीय विधायक और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व नेता जी सुधाकरन ने रविवार को विपक्ष के नेता पिनराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में सरकार का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में वामपक्ष पूरी तरह विफल रहा है। सुधाकरन अपने विधायक कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे

थे। माकपा नेता के तौर पर पूर्व मंत्री और कई बार विधायक रह चुके सुधाकरन ने जिला नेतृत्व द्वारा दरकिनार किए जाने का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी थी। बाद में उन्होंने यूडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा और अंबालापुझा से जीत हासिल की। राज्य की वित्तीय स्थिति पर मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के हालिया भाषण का जिक्र करते हुए सुधाकरन ने कहा कि विपक्ष विधानसभा में अपना रुख बनाए रखने में नाकाम रहा। उन्होंने कहा, 'विधानसभा में सतीशन का एक भाषण हुआ था, जिसमें उन्होंने पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की सरकार से विरासत में मिली वित्तीय स्थिति की आलोचना की थी, लेकिन विपक्ष की ओर से अपने बचाव में एक शब्द भी नहीं बोला गया।' सुधाकरन के अनुसार, वामपंथ का एक मजबूत राजनीतिक और वैचारिक रुख है, लेकिन वर्तमान में विपक्ष में कोई भी ऐसा नेता नहीं है, जो इसे स्पष्ट रूप से सामने रख सके और इसका बचाव कर सके। उन्होंने कहा, 'विपक्ष में से किसी को खड़े होकर जवाब देना चाहिए था, लेकिन ऐसा करने वाला वहां कोई नहीं था।' विजयन की चुप्पी पर तंज कसते हुए सुधाकरन ने कहा कि पूरी बहस के दौरान विपक्ष के नेता पूरी तरह निष्क्रिय रहे।

जयपुर में नूरानी मस्जिद सील, बंद कर दिया गया इंटरनेट.... कड़े सुरक्षा पहरे में होगी अतिक्रमण पर कार्रवाई

जयपुर, एजेंसी। जयपुर विकास प्राधिकरण ने शहर के नंदपुरी इलाके में विकास कार्यों के आड़े आ रहे धार्मिक स्थलों को हटाने की प्रस्तावित कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में प्रशासन की टीम ने नूरानी मस्जिद को सील कर सत्संग भवन शामिल हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से सड़क चौड़ीकरण का काम तो चल रहा था, लेकिन मस्जिद को छोड़ दिया गया था। इसे लेकर सोशल मीडिया पर बीजेपी की आलोचना हो रही थी, जिसके बाद जेडीए ने इसे भी हटाने

तोड़ने की कार्रवाई का काम चालू कर दिया है।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, मालवीय नगर से जगतपुरा तक जाने वाली मुख्य सड़क को चौड़ा करने का प्रोजेक्ट काफी समय से चल रहा है। योजना के तहत नंदपुरी अंडरपास के पास रेलवे लाइन के साथ वाली सड़क की चौड़ाई मौजूदा 25-30 फीट से बढ़ाकर 80 फीट की जानी है।

सड़क की इस निर्धारित सीमा के भीतर पांच धार्मिक स्थल आ रहे थे, जिन्हें अब हटाया जा रहा है। इनमें एक मस्जिद, दो मंदिर, एक मजार और एक

का पूरा खाका तैयार कर लिया।

इस अतिक्रमण हटाओ अभियान की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के बेहद कड़े बंदोबस्त किए हैं। पूरे इलाके को एक तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है, जहां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 50 से अधिक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ 3,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

एहतियात के तौर पर जिले के कई हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं भी अस्थाई रूप से बंद कर दी गई हैं। इसके अलावा, शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने शहर के संवेदनशील और मुस्लिम बहुल इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

कानून और शांति व्यवस्था की पल-पल की निगरानी के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के आला अधिकारी और जेडीए के उच्चाधिकारी मौके पर मौजूद हैं। ड्रोन के जरिए भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जयपुर के पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने हालात को लेकर स्पष्ट किया है कि कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शहर में शांति बनाए रखने में सहयोग करें।

अधिकारियों ने साफ तौर पर कहा है कि भड़काऊ सामग्री, तथ्यहीन मैसेज या वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने से बचा जाना चाहिए। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेडीए के इस बड़े एक्शन के बाद अब सियासी बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने प्रशासन की इस ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अपना कड़ा विरोध जताया है।

ऐसे ही ऑनलाइन ठगी करते हैं, गाजियाबाद में स्क्रैप कारोबारी को वीडियो कॉल कर लगाया 14 लाख का चूना

गाजियाबाद, एजेंसी। कॉपर स्क्रैप बेचने का झांसा देकर लोहा मंडी के एक कारोबारी से 14 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपित ने पहले स्क्रैप की वीडियो भेजकर भरोसा जीता और फिर एडवांस भुगतान के नाम पर बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। रकम मिलने के बाद न तो माल भेजा गया और न ही रुपये लौटाए गए। पीड़ित की शिकायत पर कविनगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोहा मंडी स्थित एद्विका मेटल रिसोर्सेस के संचालक दीपक कुमार शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते वर्ष मई में उनके पास एक व्यक्ति का फोन आया। उसने अपना नाम शेखर सिंह बताया और कहा कि उसके पास अच्छी गुणवत्ता का करीब नौ टन कापर स्क्रैप

उपलब्ध है। विश्वास दिलाने के लिए उसने स्क्रैप की वीडियो और एसपी ट्रेडिंग सर्विसेज के नाम से एक कैंसिल चेक तथा आधार कार्ड की प्रति भी भेजी। आरोपित ने 850 रुपये किलो के हिसाब से स्क्रैप देने का दावा किया और एडवांस भुगतान मांगा। रकम मिलने के बाद बोला- हम ऐसे ही ऑनलाइन ठगी करते हैं पीड़ित ने उसके झांसे में आकर 21 मई को आरटीजीएस के माध्यम से दो ट्रांजेक्शन में कुल 14 लाख रुपये बताए गए बैंक खाते में भेज दिए। पीड़ित का आरोप है कि भुगतान के बाद जब उन्होंने माल भेजने के लिए कहा तो आरोपित टालमटोल करता रहा।

कूड़ा कलेक्शन को मिलेगा नया आयाम, गांवों की तंग गलियों में बाइक और ई-रिक्शा से उठेगा कचरा

नोएडा, एजेंसी। शहर में डोर-टू-डोर कचरण संग्रहण व्यवस्था को मजबूत बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने हाल ही में एक विस्तृत सर्वे कराया है। सर्वे में सामने आया है कि पूरे शहर के सेक्टरों और गांवों से प्रभावी ढंग से कचरा एकत्र करने के लिए करीब 400 वाहनों की आवश्यकता है। जबकि वर्तमान में उपलब्ध वाहनों की संख्या इस आवश्यकता का लगभग 35 से 40 प्रतिशत ही है। शहर के अधिकांश सेक्टरों में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर तरीके से संचालित हो रही है।

आकाश हत्याकांड: मीडिया में खबर देख परिजनों ने की शव की पहचान, क्राइम ब्रांच को सौंपी गई जांच

फरीदाबाद, एजेंसी। डबुआ थाना क्षेत्र की उड़ीया कालोनी, गाजीपुर के खेतों में मिले किशोर के शव की पहचान नंगला एंक्लेव निवासी आकाश, उम्र 15 साल के रूप में हो गई है। स्वजन का कहना है कि आकाश घर से अपने दोस्त रोहित के साथ गया था और इसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। अब पुलिस रोहित की तलाश कर रही है और उससे पूछताछ के बाद हत्या की गुत्थी सुलझने की उम्मीद जताई जा रही है। मामले की जांच क्राइम ब्रांच डीएलएफ को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार छह जून की सुबह करीब छह बजे सूचना मिली थी

कि उड़ीया कालोनी के खेतों में एक किशोर का शव पड़ा है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि किशोर के गले पर सफेद गमछा कसकर बंधा हुआ था और गर्दन पर दबाव के निशान थे। चेहरे पर खून लगा हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका बनी। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए ईएसआइसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। शुरुआत में आसपास के लोगों से पूछताछ और विभिन्न थाना क्षेत्रों में सूचना देने के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। बाद में विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर खबर देखकर स्वजन थाने पहुंचे और शव की पहचान आकाश के रूप में की। उन्होंने पुलिस को बताया कि आकाश अपने दोस्त रोहित के साथ गया था और उसके बाद वापस नहीं लौटा। इसी आधार पर पुलिस अब रोहित की तलाश कर रही है। पुलिस का मानना है कि हत्या के पीछे की परिस्थितियों का पता रोहित से पूछताछ के बाद चल सकता है। फिलहाल मुकदमा दर्ज कर सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है।

मणिपुर में उपद्रवियों पर बड़े प्रहार की तैयारी, जवानों को खुली छूट

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में शांति बहाली के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक सख्त और ठोस कार्ययोजना तैयार की है। राज्य में सक्रिय उपद्रवियों के खिलाफ अब सुरक्षा बल निर्णायक प्रहार करेंगे। सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) जीपी सिंह ने मणिपुर में तैनात अपने जवानों और अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में स्पष्ट निर्देश

दिए हैं कि उपद्रवियों के खात्मे के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह स्वतंत्र हैं। उन्होंने जवानों को खुली छूट देते हुए भरोसा दिलाया कि एक साल के भीतर मणिपुर के हालात पूरी तरह सामान्य हो जाएंगे। डीजी जीपी सिंह ने जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए साफ कहा कि यदि उपद्रवियों पर सुरक्षा बल गोली नहीं चलाएंगे, तो सरकार ने उन्हें गोला-बारूद क्यों दिया है? उन्होंने जवानों को आश्वस्त किया कि वे किसी भी कार्रवाई के बाद विभागीय सवालों या कानूनी पचड़ों की चिंता न करें। डीजी ने कहा कि जब तक वे पद पर हैं, वास्तविक और प्रामाणिक कार्रवाई के दौरान जवानों पर कोई आंच नहीं आएगी। यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावे में करोड़ों के हेरफेर का मामला: अखिलेश यादव ने कोर्ट से की स्वत: संज्ञान की मांग

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े एक गंभीर मामले को लेकर मौजूदा सरकार पर जमकर निशाना साधा है. सपा मुखिया ने मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये रहस्यमयी तरीके से गायब होने के आरोपों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के लिए बेहद शर्मनाक करार दिया है.

अदालत से स्वत: संज्ञान लेने की मांग: इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट साझा की है. अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि पूरे विश्व में भगवान राम के करोड़ों उपासकों के लिए यह एक बेहद संवेदनशील और विचलित करने वाला समाचार है. उन्होंने आगे लिखा कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की भारी-भरकम रकम का गायब पाया जाना बेहद गंभीर विषय है. कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या ट्रस्टी इस विषय पर खुलकर सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है.

वैश्विक सनातनी समाज की आस्था का सवाल: अखिलेश यादव ने माननीय अदालत से इस पूरे मामले का तत्काल स्वतः संज्ञान लेने का पुरजोर अनुरोध किया है. उन्होंने तर्क दिया कि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर बसे सभी सनातनी समाज की प्रभु श्री राम में अटूट और गहरी आस्था से जुड़ा हुआ है. पूर्व मुख्यमंत्री ने इस संवेदनशील मुद्दे पर उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार की रहस्यमयी चुप्पी को बेहद संदिग्ध बताया है. अखिलेश यादव के इस बड़े हमले के तुरंत बाद समाजवादी पार्टी के आधिकारिक मीडिया सेल ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है. सपा मीडिया सेल ने अपने पोस्ट के जरिए इस पूरे मामले पर बेहद कड़ा और सीधा प्रहार किया है.

मीडिया सेल की पोस्ट में लिखा गया है कि अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावे से करोड़ों रुपये की रकम का हेर-फेर या चोरी हो जाना महज एक वित्तीय अनियमितता नहीं है. यह न सिर्फ बेहद शर्मनाक है, बल्कि इस पूरे पावन प्रोजेक्ट के जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर भी एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है. इस अति संवेदनशील मामले में ट्रस्ट से जुड़े सभी वरिष्ठ लोगों को तत्काल सामने आकर देश के समक्ष अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए. सपा ने मांग की है कि राम मंदिर निर्माण कार्य के लिए राम भक्तों की गाढ़ी कमाई से आए चढ़ावे का पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए. अब तक कुल कितनी रकम प्राप्त हुई और उसे कहाँ-कहाँ खर्च किया गया, इसका पूरा हिसाब-किताब जनता के सामने आना चाहिए. मंदिर की पवित्र रकम में किसी भी प्रकार का हेरफेर, घपला-घोटाला या वित्तीय चोरी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकती. समाजवादी पार्टी ने इसे करोड़ों राम भक्तों की पावन आस्था पर एक बड़ा और क्रूर प्रहार बताया है.

सोशल मीडिया पर सरकार को घेरते हुए सपा नेताओं ने तीखा तंज कसा कि कम से कम भाजपा नेताओं को भगवान के घर को तो बख्श देना चाहिए. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए इन गंभीर वित्तीय आरोपों पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भी त्वरित प्रतिक्रिया दी है. विवाद को बढ़ता देख ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने रविवार को एक आधिकारिक लिखित बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की है. चंपत राय ने अपने बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का समय-समय पर पूरी पारदर्शिता के साथ आंतरिक ऑडिट किया जाता है. बैंक प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ऑडिट जारी: उन्होंने कहा कि इस रूटीन ऑडिट कार्य में ट्रस्ट के लेखाकारों के साथ-साथ भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी अनिवार्य रूप से सम्मिलित रहते हैं. मंदिर के खातों और चढ़ावे का यह विस्तृत वित्तीय ऑडिट कार्य कई दिनों तक लगातार चलता है. चंपत राय ने जानकारी दी कि ऑडिट का यही नियमित कार्य आजकल भी अयोध्या में पूरी सतर्कता के साथ किया जा रहा है. उन्होंने अखिलेश यादव के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अभी तक के ऑडिट में कोई भी संदिग्ध या उल्लेखनीय बात सामने नहीं आई है.अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे से करोड़ों रुपये गायब होने के अखिलेश यादव के आरोपों पर अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है।

गुरुग्राम: 14 साल से रह रहे निवासियों के लिए खुशखबरी, यूनिटेक 'हार्मनी' को मिला फाइनल कंप्लीशन सर्टिफिकेट

नया गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर-50 स्थित गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड के निकट लगभग 10.50 एकड़ क्षेत्र में विकसित यूनिटेक की रिहायशी परियोजना हार्मनी को हरियाणा के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग (डीटीसीपी) द्वारा फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया है।

इसके साथ ही हार्मनी यूनिटेक की पहली और अब तक की एकमात्र ग्रुप हाउसिंग सोसायटी बन गई है जिसे फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। विभाग ने 4 जून को जारी पत्र में परियोजना को विभिन्न नियमों एवं शर्तों के अनुरूप पाते हुए यह प्रमाणपत्र जारी किया है। वर्ष 2006 में इस परियोजना का लाइसेंस जारी हुआ था और पिछले लगभग 14 वर्षों से यहां करीब 400 परिवार रह रहे हैं। वर्षों के इंतजार के बाद फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट मिलना निवासियों के लिए बड़ी उपलब्धि है। डीटीसीपी द्वारा जारी फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट में स्पष्ट किया गया है कि कालोनी के विकास कार्य, सड़कें, जलापूर्ति, सीवरेज और अन्य बुनियादी सुविधाएं निर्धारित नियमों के अनुरूप हैं। साथ ही कालोनाइजर को सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव और संचालन से संबंधित निर्धारित शर्तों का पालन भी करना होगा। जानकारी के अनुसार, फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट मिलने के बाद अब यूनिटेक प्रबंधन सोसायटी के रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को सौंपने की तैयारी कर रहा है। इससे भविष्य में सोसायटी के प्रबंधन और रखरखाव में निवासियों की भागीदारी और अधिक बढ़ेगी। यूनिटेक प्रबंधन के द्वारा लगातार समन्वय के चलते यह कार्य संभव हो पाया है। हम लंबे समय से विभिन्न लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें नियामकीय प्रक्रियाओं के अनुरूप पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया

शाजापुर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य श्रीमती साधना स्थापक द्वारा आज शाजापुर जिले का दौरा कर वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बाल विकास का निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान सेंटर के कक्षों एवं सेंटर में आने वाली महिलाओ से संबंधित पंजीयन रजिस्टर का अवलोकन किया गया। अवलोकन के दौरान श्रीमती साधना स्थापक द्वारा अन्य विभागों से संबंधित प्रकरणों को समन्वय कर समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही सेंटर पर निराकृत प्रकरणों का फ़ॉलोअप लेने के निर्देश दिए। श्रीमती स्थापक ने निरीक्षण उपरांत रेस्ट हाउस शाजापुर में जिला पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत से महिला संबंधी अपराधो संबंधित प्रकरणों पर चर्चा की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री घनश्याम मालवीय, महिला एवं बाल विकास सहायक संचालक सुश्री नीलम चौहान, वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमती नेहा जायसवाल, पुलिस विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

शाजापुर में मनाया गया विश्व साइकल दिवस, आयोजित हुई रंगारंग साइकल रैली

शाजापुर (निप्र)। विश्व साइकल दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग शाजापुर द्वारा रविवार को जिले में साइकल रैली का आयोजन किया गया। रैली में खिलाडियों और साइकल प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस रैली का उद्देश्य लोगों को साइकलिंग के स्वास्थ्य लाभ के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरित करना था। रैली में भाग लेने वालों ने उत्साहपूर्ण माहौल में साइकल चलाकर इस दिन को यादगार बना दिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी श्री रविंद्र हार्डिया, श्री गौरव वर्मा, श्री मुजाहिद बैग, श्री लोकेश नायक, श्री गौरव शिवहरे, श्री विशाल खंडवी एवं श्री सौरभ कुशवाह उपस्थित थे।

मोहर्रम पर्व के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक इंदौर ग्रामीण श्री राजेंद्र कुमार वर्मा ने किया जुलूस मार्ग का निरीक्षण

इन्दौर (निप्र)। आगामी मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक इंदौर ग्रामीण श्री राजेंद्र कुमार वर्मा ने गौतमपुरा क्षेत्र में मोहर्रम जुलूस मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अनुभागीय अधिकारी पुलिस श्री संगग्रीय सम्राट, उप पुलिस अधीक्षक श्री नितिन सिंह, रक्षित निरीक्षक श्री योगेंद्र सिंह भाटी, थाना प्रभारी गौतमपुरा श्रीमती अल्का मीना सहित पुलिस बल उपस्थित रहा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने जुलूस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जुलूस मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए, जिससे मार्ग में कोई अवरोध उत्पन्न न हो ।पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने शांति समिति की बैठकें पूर्व से आयोजित करने, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं समिति सदस्यों के साथ सतत संवाद बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ताजिया समितियों एवं ताजिया रखने वाले व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। उन्होंने थाना प्रभारी गौतमपुरा को जनसहयोग से स्थापित लगभग 50 सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र चालू कराने तथा मोहर्रम जुलूस एवं ताजियों के निर्धारित मार्गों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए, ताकि सुरक्षा व्यवस्था एवं निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके ।पुलिस अधीक्षक ने आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण, धार द्वारा आयोजित 'विश्व साइकिल दिवस

'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम व सायकल रैली का आरम्भ

धार (निप्र)। भारत सरकार खेल मंत्रालय की खेलों इंडिया योजना मिशन पहल के तहत भारत के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और फिटनेस को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान के 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम की कड़ी में इस रविवार 07 जून 2026 को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा समस्त भारत वर्ष में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम तथा फिटनेस रैली का आयोजन किया गया उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में केन्द्रीय राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,भारत सरकार व सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा विशेष अतिथि के रुप में कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा सम्मिलित हुए।

केन्द्रीय राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,भारत सरकार श्रीमती सावित्री ठाकुर अपने उद्बोधन में समस्त धार वासियों को पर्यावरण संरक्षण एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढाने हेतु सायकल का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस कड़ी में भारतीय खेल प्राधिकरण धार द्वारा आयोजित साईकिल रैली में धार जिले के विंग्स पोद्दार लर्न विद्यालय,जिला पुलिस बल के महिला एवं पुरूष आरक्षक,खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पीएम श्री केंद्र विद्यालय, सेंट जार्ज स्कुल के बच्चो एवं धार जिले के विभिन्न विद्यालयों से आये बच्चो एवं जनसमान्य के द्वारा साई सेंटर जैतपुरा धार में सम्मिलित होकर फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्धेश्य से भागीदारी की गई , साथ ही कार्यक्रम में आये प्रतिभागियो को स्ट्रेचिंग, रस्सी कूद एवं जुम्बा जैसी गतिविधियों में भी सक्रियता से उत्साह-पूर्वक भाग लिया गया।

तत्पश्चात विशेष अतिथि श्री राजीव रंजन मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा द्वारा सायकल रेली में भाग लिया गया एवं कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों को साइकिल चलाने को अपने दैनिक जीवन मे अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे कि न सिर्फ सभी का स्वास्थ्य बेहतर होकर मोटापे और विभिन्न बीमारियों से दूर भी रहेंगे और पर्यावरण के प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी ।

कार्यक्रम में विंग्स पोद्दार विद्यालय के डायरेक्टर श्री आशीष महंत,श्री राजेंद्र कुमार साहू (प्रिंसिपल) एवं श्री प्रकाश पटेल (खेल प्रशिक्षक) की भी सक्रिय भागीदरी रही7 तथा अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन की श्रीमती गरिमा वर्मा एवं पूनम मिश्रा के द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी।

इस कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से केंद्र प्रभारी श्री नरेश कुमार भावसार, ताईक्वांडो प्रशिक्षक श्री ओमप्रकाश माखनिया, प्रशिक्षक तीरंदाजी श्री राजेश तम्बोलिया, सहायक प्रशिक्षक तीरंदाजी श्री विकास कुमार, श्री मनीष लोधी एवं अन्य स्टाफ कर्मचारीगण और साई के खिलाड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया ।

देवास में विश्व साइकिल दिवस पर निकाली साइकिल रैली

देवास (निप्र)। जिला खेल अधिकारी देवास ने बताया कि विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा क्रीड़ा भारती देवास द्वारा रविवार सुबह साइकिल चलाओ - स्वास्थ्य बनाओ, देवास सजाओ अभियान के तहत भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

फिट इंडिया-हिट इंडिया के संदेश के साथ निकाली गई इस रैली का शुभारंभ सुबह 7.30 बजे सयाजी द्वार स्थित स्वामी विवेकानंद प्रतिमा स्थल से हुआ। साइकिल रैली का आयोजन युवाओं और विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया। रैली को जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली सयाजी द्वार से प्रारंभ होकर तहसील चौराहा, शनि मंदिर चौराहा, जिला अस्पताल, नगर निगम और पंप चौराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः सयाजी द्वार पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने 'फिट इंडिया, हिट इंडिया ', 'साइकिल अपनाओ, स्वास्थ्य पाओ' तथा 'स्वच्छ, स्वस्थ और हरित देवास' के संदेश दिए।

आबकारी विभाग आलीराजपुर द्वारा 51 पेटी अवैध मदिरा जप्त कर प्रकरण किया गया दर्ज

आलीराजपुर (निप्र)।

आबकारी इंदौर संभाग उपायुक्त श्री इंदरसिंह जामोद एवं कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर के आदेशानुसार, जिला आबकारी अधिकारी,जिला आलीराजपुर श्री आर एस राय के निर्देश पर तथा प्रभारी अधिकारी आबकारी नियंत्रण कक्ष श्री जी एस रावत के मार्गदर्शन में* अवैध मदिरा का विक्रय,कब्जा चौर्यनयन,परिवहन,के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वृत्त कट्ठीवाड़ा के ग्राम अंधारकांच में मुखबिर की औचक सूचना पर 51 पेटी अवैध मदिरा जप्त कर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) 34(2) का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है । जब्त मदिरा में गोवा व्हिस्की एवं माउंट 6000 बीयर इस प्रकार कुल 474 बल्क लीटर मदिरा जब्त की जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख 26 हजार 940 रुपए है। *कार्यवाही के दौरान अन्य कोई मादक द्रव्य या पदार्थ बरामद नहीं हुआ* दरअसल दैनिक गश्त के दौरान आबकारी अमले को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अंधारकांच के पास गुजरात बॉर्डर से कुछ किलोमीटर पहले अवैध मदिरा नाले किनारे जमा कर रखी है, जिसे गुजरात भेजने की तैयारी है । इसके पहले ही टीम ने दबिश कर उक्त मदिरा जब्त कर ली।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जी एस रावत के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक गंभीरसिंह वास्कले द्वारा की गई जिसमें उपनिरीक्षक जयश्री त्रिपाठी का सहयोग रहा । टीम में प्रधान आरक्षक सर्वश्री शंकर लच्छेटा, शैलेन्द्र सिंह रावत अमानुल्लाह खान एवं आरक्षक गवरा ग़मार,विवेक बरडे, हितेंद्र सिंह चावड़ा का सहयोग रहा। अवैध मदिरा एवं अन्य मादक द्रव्य/पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। उक्त जानकारी आबकारी विभाग द्वारा दी गई।

जिले में पेयजल समस्याओं का किया जा रहा त्वरित समाधान, 82 हैंडपंप चालू किए गए

आलीराजपुर (निप्र)। जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर के निर्देशानुसार पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण किए जा रहे है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अधिकारी श्री सुखराम मेडा जानकारी देकर बताया गया कि 5 जून तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर कुल 82 हैंडपंपों को पुनः चालू किया गया। इसके अंतर्गत विकासखंड चन्द्रशेखर आजाद नगर में 12, कठ्ठीवाड़ा में 8, आलीराजपुर में 17, सोंडवा में 19, जोबट में 14 तथा उदयगढ़ में 12 हैंडपंपों में राइज पाइप बढ़ाने एवं आवश्यक संधारण सामग्री जैसे चेन, हेड, हैंडल, सिलेंडर, अपर एवं लोवर वाल्व आदि का प्रतिस्थापन कर उन्हें सुचारू किया गया। इसके साथ ही संबंधित हैंडपंपों एवं बसाहटों में स्थापित 16 कुओं का क्लोरीनेशन कर ग्रामीणों को तत्काल शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया। विभागीय अमले द्वारा ग्रामीणों को पेयजल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी जागरूक किया गया।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदन के परीक्षण में विकासखंड सोंडवा के ग्राम गोलापल्वी में पेयजल समस्या पाई गई। इस पर कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने तत्काल नवीन नलकूप खनन के निर्देश दिए। विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नलकूप खनन कार्य कराया गया, जिसमें पर्याप्त जल प्राप्त हुआ है। पेयजल व्यवस्था सुचारू होने से ग्रामवासियों ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जिले में 1 मई 2026 से 5 जून 2026 तक व्यापक स्तर पर पेयजल व्यवस्था सुधार कार्य किए गए हैं। इस अवधि में चन्द्रशेखर आजाद नगर में 332, कठ्ठीवाड़ा में 296, आलीराजपुर में 416, सोंडवा में 498, जोबट में 354 तथा उदयगढ़ में 316 हैंडपंपों की मरम्मत कर कुल 2212 हैंडपंपों को चालू किया गया है।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श हेतु उच्च स्तरीय समिति की बैठक का किया गया आयोजन

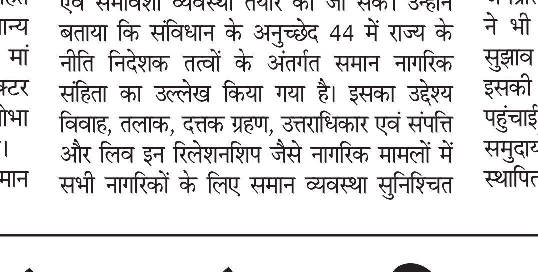

आलीराजपुर (निप्र)। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में जनपरामर्श के उद्देश्य से गठित उच्च स्तरीय समिति की सदस्य डॉ. शोभा वेंकटकर ने शुक्रवार को शहीद छीतू किराड़ शासकीय महाविद्यालय, आलीराजपुर के सभागार में आयोजित जनपरामर्श कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में सांसद श्रीमती अनीता चौहान, जिला अध्यक्ष श्री मकू परवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हजरी बाई खरत, कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संघमित्रा गौतम, एडीएम श्री सोहन कनास सहित प्रशासनिक अधिकारी और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुआ। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने समिति सदस्य डॉ. शोभा वेंकटकर का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. शोभा वेंकटकर ने समान नागरिक संहिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है। इसी भावना को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता पर व्यापक जनपरामर्श किया जा रहा है, ताकि समाज के सभी वर्गों के विचारों, सुझावों एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए प्रभावी एवं समावेशी व्यवस्था तैयार की जा सके। उन्होंने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य के नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है। इसका उद्देश्य विवाह, तलाक, दत्तक ग्रहण, उत्तराधिकार एवं संपत्ति और लिव इन रिलेशनशिप जैसे नागरिक मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनपरामर्श की यह प्रक्रिया समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि गोवा राज्य में पुर्तगाली सिविल कोड के प्रावधानों के तहत यूसीसी लागू है। उत्तराखंड, गुजरात में यूसीसी लागू होने पश्चात अब मध्य प्रदेश में भी यूसीसी के लिए जनपरामर्श लिया जा रहा है।सांसद श्रीमती अनीता चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वह सांसद के रूप में नहीं बल्कि एक आम नागरिक के रूप में यूसीसी के लिए अपना समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के नियमों को अपनाते हुए नया कानून यूसीसी के रूप में आना चाहिए।बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी अपने विचार साझा किए। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि यूसीसी के प्रारूप बनने के बाद इसकी जानकारी व्यापक स्तर पर जनसामान्य तक पहुंचाई जाए और फिर से जन परामर्श कर विभिन्न समुदायों, प्रबुद्धजनों और विशेषज्ञों से निरंतर संवाद स्थापित किया जाए।

जैविक हाट बाजार में 37950 रुपए से अधिक के जैविक उत्पादों का विक्रय

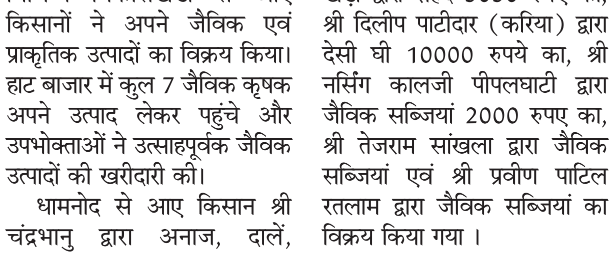

रतलाम (निप्र)। परियोजना संचालक आत्मा श्री निर्भय सिंह नर्गेश ने बताया कि रविवार को जिले में आयोजित जैविक/प्राकृतिक हाट बाजार में विभिन्न विकासखंडों से आए किसानों ने अपने जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया। हाट बाजार में कुल 7 जैविक कृषक अपने उत्पाद लेकर पहुंचे और उपभोक्ताओं ने उत्साहपूर्वक जैविक उत्पादों की खरीदारी की।

धामनोद से आए किसान श्री चंद्रभानु द्वारा अनाज, दालें, सब्जियां, फल, केसर आम एवं मूंगफली का 18000 रुपये का विक्रय किया गया। श्री उमेश धाकड़ (बांगरोद) द्वारा घी एवं दूध 1000 रुपये का, श्री दिलीप धाकड़ सादा खेड़ी द्वारा शहद 5050 रुपए का, श्री दिलीप पाटीदार (करिया) द्वारा देसी घी 10000 रुपये का, श्री नर्सिंग कालजी पीपलघाटी द्वारा जैविक सब्जियां 2000 रुपए का, श्री तेजराम सांखला द्वारा जैविक सब्जियां एवं श्री प्रवीण पाटिल रतलाम द्वारा जैविक सब्जियां का विक्रय किया गया ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भोपाल में चार दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

भोपाल। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्रीय संचालन प्रभाग), भोपाल द्वारा 08 से 11 जून 2026 तक चार दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होटल पंचवटी, कस्तूरबा नगर, भोपाल में किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के उप महानिदेशक श्री अमित वर्मा ने किया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय वर्ष 1950 से देश में सांख्यिकीय आंकड़ों के संकलन एवं प्रसार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों के संकलन हेतु विभिन्न सर्वेक्षण नियमित रूप से संचालित किए जाते हैं।

चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के सफल, त्रुटिरहित एवं समयबद्ध संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तकनीकी एवं कार्यात्मक प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान सर्वेक्षणों की अवधारणा, परिभाषाएं, डेटा संकलन प्रक्रिया, प्रश्नावलियों की समझ, फील्ड स्तर की चुनौतियां तथा डिजिटल माध्यमों से आंकड़ा संग्रहण की तकनीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण शिविर में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के 81वें दौर के अंतर्गत संचालित किए जाने वाले तीन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सर्वेक्षणों पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इनमें अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस), ग्रामीण भारत में कृषक परिवारों की स्थिति एवं भूमि तथा पशुधन स्वामित्व मूल्यांकन सर्वेक्षण (एसएएस) तथा प्रवासन संबंधी सर्वेक्षण प्रमुख रूप से शामिल हैं। अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण के माध्यम से परिवारों की ऋणग्रस्तता, निवेश प्रवृत्तियों, परिसंपत्तियों एवं देनदारियों का आकलन किया जाएगा। वहीं कृषक परिवारों की स्थिति संबंधी सर्वेक्षण में किसानों की आय, कृषि उत्पादन प्रणाली, आधुनिक तकनीकों का उपयोग, सिंचाई सुविधाएं, कृषि निवेश, फसल बीमा, सरकारी योजनाओं का लाभ, शिक्षा स्तर तथा भूमि एवं पशुधन स्वामित्व से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके अलावा प्रवासन सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीण-शहरी एवं अंतरराज्यीय प्रवासन के स्वरूप, कारणों और प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा।

इन तीनों राष्ट्रीय महत्व के सर्वेक्षणों का क्षेत्र कार्य 1 जुलाई 2026 से 30 जून 2027 तक संचालित किया जाएगा। आंकड़ा संकलन को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूर्णतः पेपरलेस रखा गया है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कंप्यूटर असिस्टेड पर्सनल इंटरव्यूइंग (सीएपीआई) प्रणाली तथा विभिन्न वेब आधारित अनुप्रयोगों के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण शिविर में क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के साथ-साथ इसके अधीनस्थ उप-क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर, खंडवा एवं छिंदवाड़ा के अधिकारी एवं कर्मचारी भाग ले रहे हैं।

संपादकीय

ताकि अलनीनो का कम पड़े दुष्प्रभाव

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहाँ कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए।

भारत की करीब साठ प्रतिशत अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके ज़रिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके। अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहाँ तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूँकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है। जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूँकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की माँग बढ़ेगी।

इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं।

फिर से एक साथ होंगे एकनाथ शिंद-उद्धव ठाकरे?

शिवसेना का शिंदे गुट अनेक नेताओं के माध्यम से संगठन की सक्रियता बनाए रखने में लगातार प्रयासरत है. उसकी तुलना में शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट एकजुटता तक बनाए रखने में असफल सिद्ध हो रहा है. हर किसी चुनाव में उसके नेता-कार्यकर्ता अपनी निष्ठा बदल लेते हैं. भले ही उसे आर्थिक कारणों को हवा देकर मन को संतोष दे दिया जाता है, लेकिन कमजोरी की समस्या कहीं न कहीं है. पार्टी की ऊपरी पंक्ति मुंबई तक सिमट गई है. वहां भी मनपा हाथ से निकलने के बाद समस्या पैदा हो चुकी है. दूसरी ओर भाषा से लेकर पारिवारिक भावना के नाम पर शिवसेना और मनसे के एकीकरण के प्रयास विफल साबित हो चुके हैं. जिससे भाजपा की बांछें खिलना स्वाभाविक है और शिवसेना के विघटन की खाई का अनुमान लगाना आसान है. यदि चचेरे भाई के साथ एकीकरण असंभव है तो शिवसेना की भाषा में 'गद्दारों' के साथ 'मातोश्री' में मेल-मिलाप किस तरह हो सकता है. शिवसेना ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राऊत और शिंदे गुट के विधायक अब्दुल सत्तार अपने-अपने बयानों से चर्चाओं में बने रह सकते हैं, लेकिन पार्टी नेताओं को एक मंच पर साथ बैठाने में सक्षम नहीं कहे जा सकते हैं. इसलिए दोनों शिवसेना की आंतरिक चिंताएं हमेशा बनी रहेंगी, जो उनकी कमजोरी का अप्रत्यक्ष प्रमाण देती रहेंगी.

अमिताभ श्रीवास्तव

कभी एकजुट रहकर भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) को 'कमलाबाई' कहने वाली महाराष्ट्र की दोनों शिवसेना पिछले कुछ सालों से अपने आप को लेकर ही चिंता में बनी रहती हैं. पहले शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट भविष्यवाणियां करता रहता था. अब शिवसेना का एकनाथ शिंदे गुट भी उसके साथ सुर मिलाने लगा है. जिसके बाद उसे 'मातोश्री' का तुरत-फुरत आमंत्रण तक आ चुका है.

हालांकि ताजा बयान महाराष्ट्र के एक राजनीतिक घुमंतू नेता ने दिया है. जिस पर शिवसेना शिंदे गुट के किसी वरिष्ठ नेता ने गंभीरता नहीं दिखाई है. किंतु दोनों शिवसेना का एकीकरण फिर चर्चाओं में है. नया संदर्भ भले ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के विघटन पर आया हो, लेकिन शिवसेना का विकास अपने दम पर और पतन निजी तथा आपसी संघर्ष के बीच हुआ.

हालांकि छगन भुजबल जैसे नेता कांग्रेस से जा मिले और एकनाथ शिंदे भाजपा के साथ सत्ताधारी बने. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने कभी सरकार में शामिल होने की मंशा नहीं जताई. यह मानने में कोई संकोच नहीं है कि शिवसेना या फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) इन दिनों अपनी संगठनात्मक कमजोरी से परेशान हैं, जो उनका मजबूत आधार था.

आज वही नेताओं तथा कार्यकर्ताओं में लगातार बेचैनी बढ़ा रहा है. भाजपा और शिवसेना के बीच पहला गठबंधन वर्ष 1995 में हुआ और दोनों ने मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता में कदम रखा. उससे पहले वर्ष 1985 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 16 सीटें जीत चुकी थी और वर्ष 1990 के चुनाव में 42 सीटें जीती थीं, जो शिवसेना की 52 सीटों से कम थी. वर्ष 1995 में पहली बार साथ चुनाव लड़ते हुए शिवसेना ने 73 और भाजपा ने 65 सीटें जीतकर सरकार बनाई. वर्ष 1999 में शिवसेना ने 69 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 56 तक पहुंच पाई. इसके बाद वर्ष 2004 में भी आंकड़े गिरे. वर्ष 2009 के चुनाव में शिवसेना को बड़ा झटका लगा, जब वह भाजपा से नीचे पहुंच गई. तब भाजपा को 46 तथा शिवसेना को 44 सीटें ही मिल पाईं.

भाजपा का यह प्रदर्शन वर्ष 1990 की तुलना में बेहतर था, किंतु इसके बाद उसने वर्ष 2014 से पीछे मुड़कर देखने का सिलसिला छोड़ दिया. उसने वर्ष 2024 में 132 के आंकड़े को छू लिया. शिवसेना वर्ष 2014 में 63 और वर्ष 2019 में 56 तक ही पहुंची. फिर वर्ष 2024 में उसने दो भागों में बंटकर 57 और 20 सीटें पाईं. दोनों को मिलाकर देखने पर सम्मिलित आंकड़ा पिछले सभी प्रदर्शनों से बेहतर दिखता है,

लेकिन इसमें भी उसे अपना अस्तित्व खतरे में दिखता है. उसे भाजपा की दोगुनी-चौगुनी प्रगति डराती है. उधर, भाजपा ने दो हजार के पहले दशक से ही संगठनात्मक विकास पर ध्यान दिया. इसमें उसने केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) की लाठी पकड़कर चलने की बजाय विस्तार और अपनी शक्ति को बढ़ाने पर बल दिया.

उसने अनेक दलों के प्रभावशाली नेताओं को समय से पहले संगठन से जोड़कर अपना आधार मजबूत बनाया. उसके बाद चुनावी गणित को समझकर उससे तालमेल बनाया. वह लोकसभा चुनाव तक सीमित नहीं रही. उसने स्थानीय निकाय के चुनावों तक स्वयं को स्थापित करने के लिए प्रयास किए. उसने हार-जीत की परवाह किए बिना सभी चुनावों में हिस्सेदारी बढ़ाते हुए अपने मतदाताओं का आधार बढ़ाया.

करीब 14-15 साल की मेहनत का फल उसे वर्ष 2014 से मिलना आरंभ हो गया. आश्चर्यजनक यह है कि चुनावों की प्रतीक्षा किए बिना भाजपा संगठनात्मक मजबूती के लिए साल भर प्रयास जारी रखती है. वहीं दूसरे दल चुनावों की संभावना को देखकर अपनी तैयारी आरंभ करते हैं. एक बार पराजय मिलने के बाद उनकी संगठन पर पकड़ इतनी ढीली हो जाती है कि उसे ऐन चुनाव पर मजबूत करना हर एक नेता के बस की बात नहीं रह जाती है. परदे के पीछे भाजपा अपने मूल संगठन आरएसएस के संपर्क में रहती है और आगे नेताओं-कार्यकर्ताओं की फौज को भी अनिवार्य प्रशिक्षण देती रहती है.

यह देख राजनीतिक सक्रियता बनाए रखने वाले दूसरे दलों के नेता-कार्यकर्ता उसके पाले में आने में देर नहीं करते हैं. शिवसेना यदि यह मानती है कि भाजपा उसके लिए खतरा बन चुकी है, वह उसके अस्तित्व पर संकट ला सकती है तो उसे यह भी विचार करना होगा कि उसकी अपनी भीतरी कमजोरियां क्या हैं.

शिवसेना का शिंदे गुट अनेक नेताओं के माध्यम से संगठन की सक्रियता बनाए रखने में लगातार प्रयासरत है. उसकी तुलना में शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट एकजुटता तक बनाए रखने में असफल सिद्ध हो रहा है. हर किसी चुनाव में उसके नेता-कार्यकर्ता अपनी निष्ठा बदल लेते हैं. भले ही उसे आर्थिक कारणों को हवा देकर मन को संतोष दे दिया जाता है, लेकिन कमजोरी की समस्या कहीं न कहीं है.

पार्टी की ऊपरी पंक्ति मुंबई तक सिमट गई है. वहां भी मनपा हाथ से निकलने के बाद समस्या पैदा हो चुकी है. दूसरी ओर भाषा से लेकर पारिवारिक भावना के नाम पर शिवसेना और मनसे के एकीकरण के प्रयास विफल साबित हो चुके हैं. जिससे भाजपा की बांछें खिलना स्वाभाविक है और शिवसेना के विघटन की खाई का अनुमान लगाना आसान है.

यदि चचेरे भाई के साथ एकीकरण असंभव है तो शिवसेना की भाषा में 'गद्दारों' के साथ 'मातोश्री' में मेल-मिलाप किस तरह हो सकता है. शिवसेना ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राऊत और शिंदे गुट के विधायक अब्दुल सत्तार अपने-अपने बयानों से चर्चाओं में बने रह सकते हैं, लेकिन पार्टी नेताओं को एक मंच पर साथ बैठाने में सक्षम नहीं कहे जा सकते हैं. इसलिए दोनों शिवसेना की आंतरिक चिंताएं हमेशा बनी रहेंगी, जो उनकी कमजोरी का अप्रत्यक्ष प्रमाण देती रहेंगी.

फिलहाल भाजपा के पास देश के हर दल के लिए दरवाजे खुले हैं, जो विपक्ष की नजर में अच्छे- बुरे का अंतर नहीं करते हैं. वह किसी को भी कपड़ों की तरह बिना पहचाने वाशिंग मशीन में धो देती है और सुखाकर पार्टी की अलमारी में सजा देती है. शायद यही उसकी सफलता की रणनीति है और दूसरों का डर भी, जो गीदड़भभकी से अप्रभावित है.

अध्यात्म

दूसरों की गलतियों को क्षमा करें, धैर्य रखें

एक दिन महावीर स्वामी किसी गांव के बाहर जंगल में ध्यान कर रहे थे। वे शांत और अपने ध्यान में मग्न थे। तभी कुछ अशिक्षित गांववाले अपनी गायों को चराने जंगल में आए। उन्होंने ध्यान में बैठे महावीर स्वामी को एक सामान्य इंसान समझा और उनके साथ मजाक-मस्ती करने लगे।

चरवाहों ने स्वामी जी को परेशान किया, लेकिन स्वामी का ध्यान बिल्कुल भी नहीं टूटा। वे अपनी साधना में मग्न थे।

गांव के कुछ विद्वान लोगों को इस बारे में मालूम हुआ, तो वे तुरंत स्वामी जी के पास पहुंचे। वे जानते थे कि यह महावीर स्वामी हैं। उन्होंने चरवाहों की हरकत के लिए क्षमा मांगी। स्वामी जी ने आंखें खोलीं और सभी की बातें ध्यान से सुनीं।

विद्वानों ने कहा, 'स्वामी जी, हम आपके लिए जंगल में एक कमरा बनवा देंगे, जिससे आपकी साधना में कोई बाधा न आए।'

महावीर स्वामी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'ये सभी चरवाहे भी मेरे अपने ही हैं। बच्चे नादानी में अपने माता-पिता का मुंह नोचते हैं, मारते हैं, फिर भी माता-पिता नाराज नहीं होते। मैं इन चरवाहों से नाराज नहीं हूं। मुझे कमरे की आवश्यकता नहीं है। आप जो धन कमरे में लगाने की सोच रहे हैं, उसे जरूरतमंदों की भलाई में खर्च करें। यही मेरे लिए सबसे अच्छा होगा।'

महावीर स्वामी ने सभी को संदेश दिया कि दूसरों की गलती पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य और करुणा से काम लेना चाहिए।

सीख

धैर्य रखें - दूसरों की गलती पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। शांत मन से सोचें।

क्षमा करने का अभ्यास करें - दूसरों की नादानी और भूलों को समझें, नाराज न हों, उन्हें क्षमा करें।

अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाएं - विवाद और गुस्से से बचें, अपनी ऊर्जा समाज सेवा और दूसरों की मदद में लगाएं।

अन्याय पर प्रतिक्रिया सोच-समझकर दें - जैसे महावीर स्वामी ने चरवाहों के लिए अपनाई। दूसरों गलतियों को क्षमा करें और शांत रहें।

विनम्रता बनाए रखें - महावीर स्वामी ने विनम्रता बनाए रखी और गांव के लोगों से दूसरों दूसरों की भलाई में धन लगाने का निवदेन किया।

साधना और आत्म-नियंत्रण - मन को स्थिर रखें, बाहरी परेशानियों से विचलित न हों।

सपनों और हकीकत के बीच कितना लंबा होता है सफर?

सपनों और वास्तविकता के बीच की दूरी हर पीढ़ी ने तय की है। करियर की शुरुआत शायद ही कभी वैसी होती है, जैसी उसकी कल्पना की जाती है। परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होतीं, लेकिन पेशेवर जीवन की असली दिशा अक्सर यहीं तय होती है। जो लोग इस दौर को सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रक्रिया की तरह स्वीकार करते हैं, वे समय के साथ आगे निकल जाते हैं। और जो केवल आदर्श अवसर की प्रतीक्षा करते रहते हैं, वे अक्सर शुरुआत ही खो देते हैं। सच यही है कि करियर की मजबूत नींव हमेशा छोटी शुरुआतों से बनती है। यही वह बात है, जिसे हर पीढ़ी को आखिरकार अपने अनुभव से समझना पड़ता है।

शिवम भारद्वाज

वर्षों की पढ़ाई, प्रतियोगिता, परीक्षाएं और पारिवारिक अपेक्षाओं के बाद जब किसी दफ्तर का नियुक्ति पत्र हाथ में आता है, तो स्वाभाविक रूप से यह महसूस होता है कि संघर्ष का कठिन हिस्सा अब पीछे छूट चुका है। यह अधिकांश युवाओं के जीवन में उपलब्धि और उम्मीद के सबसे बड़े क्षणों में से एक होता है।

कॉलेज की दुनिया से पेशेवर जीवन में प्रवेश करते समय लगभग हर युवा अपने भीतर सफलता, स्थिरता और तेज प्रगति की एक स्पष्ट तस्वीर लेकर चलता है। मगर उत्साह बहुत जल्दी वास्तविकता की पहली ठोस परत से टकराता है। कुछ ही समय में स्पष्ट होने लगता है कि नौकरी केवल वेतन, पदनाम या कॉर्पोरेट पहचान का नाम नहीं है। यह लगातार सीखने, दबाव झेलने, छोटे कामों से शुरुआत करने और स्वयं को धीरे-धीरे साबित करने की प्रक्रिया है। यहीं से अधिकांश युवाओं की वास्तविक पेशेवर यात्रा शुरू होती है।

हमारे यहां विश्वविद्यालयों और पेशेवर संस्थानों से हर वर्ष लाखों युवा डिग्रियां लेकर निकलते हैं। इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य या तकनीक - लगभग हर क्षेत्र का विद्यार्थी अपने भीतर एक निश्चित कल्पना लेकर नौकरी की दुनिया में प्रवेश करता है। पढ़ाई के दौरान नेतृत्व, नवाचार और तेज सफलता के जो सपने उसके भीतर बनते हैं, वे अक्सर पेशेवर जीवन की वास्तविक संरचना से मेल नहीं खाते। यहीं से समस्या शुरू होती है।

परिसर में हुई चर्चा, सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली सफलताएं और नौकरी की संस्कृति मिलकर एक ऐसा माहौल तैयार करती हैं, जहां बड़ी संख्या में युवा यह मानने लगते हैं कि करियर की शुरुआत सीधे ऊंचे वेतन, तेज पदोन्नति और आरामदायक कार्य-जीवन से होगी। कई लोगों के लिए अच्छी नौकरी का अर्थ एक ऐसे पेशेवर जीवन में बदल जाता है, जहां आर्थिक सुरक्षा तो हो, लेकिन दबाव, प्रतिस्पर्धा और लगातार प्रदर्शन की अपेक्षा न हो।

जबकि वास्तविक पेशेवर दुनिया सुविधा नहीं, क्षमता और परिणाम के आधार पर चलती है। किसी भी उद्योग में शुरुआती वर्षों का उद्देश्य अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि स्वयं को उपयोगी, भरोसेमंद और सक्षम साबित करना होता है। करियर का विकास किसी एक उपलब्धि का परिणाम नहीं होता। वह लंबे समय तक लगातार दिए गए प्रदर्शन मानकों, अनुशासन और सीखने की क्षमता पर निर्मित होता है।

समस्या यह भी है कि बड़ी संख्या में युवा अपनी वास्तविक क्षमता, उद्योग की अपेक्षाओं और करियर के विकास की संरचना को समझे बिना ही पेशेवर जीवन की कल्पना कर लेते हैं। जबकि अधिकांश संस्थानों में जिम्मेदारियां अनुभव, भरोसे और निरंतर प्रदर्शन के आधार पर बढ़ती हैं। करियर की सीढ़ियां एक-एक पायदान चढ़कर तय होती हैं। उन्हें एक छलांग में पार करने की उम्मीद अक्सर निराशा को जन्म देती है।

इसी तरह, 'कैंपस प्लेसमेंट' यानी संस्थान के परिसर में ही किसी नौकरी के लिए चुन लिए जाने के दौरान जिस वेतन-भत्ते की चर्चा होती है, वास्तविक जीवन में उसका अर्थ किराया, परिवहन, कर और रोजमर्रा के खर्चों के बीच बदल जाता है। पहली तनख्वाह भावनात्मक संतोष तो देती है, लेकिन आर्थिक स्वतंत्रता का जो चित्र मन में बनाया गया होता है, वह जल्दी ही व्यावहारिक गणित में बदलने लगता है।

सर्वेक्षणों में लगातार यह संकेत मिलता रहा है कि बड़ी संख्या में युवा कर्मचारी नौकरी के शुरुआती कुछ महीनों के भीतर ही बदलाव के बारे में सोचने लगते हैं। इसका एक कारण बेहतर अवसरों की तलाश है, लेकिन उतना ही बड़ा कारण पेशेवर वास्तविकताओं के लिए मानसिक रूप से तैयार न होना भी है।

दरअसल, कॉलेज और दफ्तर के बीच सबसे बड़ा अंतर स्वतंत्रता और जवाबदेही का है। शैक्षणिक जीवन में समय को लेकर अपनी एक अलग सुविधापूर्ण स्थिति होती है। जबकि पेशेवर दुनिया समय को अलग नजर से देखती है। यहां हर देरी किसी और के काम को प्रभावित करती है और हर छोटी चूक का असर पूरी टीम पर पड़ सकता है।

एक और परिवर्तन, जिसे अधिकांश युवा स्वीकार करने में समय लेते हैं, वह है कार्यस्थल का पदानुक्रम। कॉलेज में लगभग सभी एक समान स्थिति में होते हैं, जबकि दफ्तर में अनुभव सबसे बड़ी पूंजी माना जाता है। वहां वरिष्ठ का हर निर्देश कार्यप्रणाली का हिस्सा होता है।

नए कर्मचारी को अक्सर लगता है कि उसकी क्षमता को पर्याप्त महत्त्व नहीं मिल रहा, जबकि संगठन उसे पहले व्यवस्था समझने की प्रक्रिया से गुजरना चाहता है। यह टकराव कई बार निराशा, असंतोष और आत्म-संदेह का कारण बनता है। समस्या केवल युवाओं की अपेक्षाओं तक सीमित नहीं है। तमाम शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को सिद्धांत, मॉडल और अवधारणाएं तो सिखाते हैं, लेकिन पेशेवर व्यवहार की वास्तविक चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं कर पाते।

सपनों और वास्तविकता के बीच की दूरी हर पीढ़ी ने तय की है। करियर की शुरुआत शायद ही कभी वैसी होती है, जैसी उसकी कल्पना की जाती है। परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होतीं, लेकिन पेशेवर जीवन की असली दिशा अक्सर यहीं तय होती है। जो लोग इस दौर को सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रक्रिया की तरह स्वीकार करते हैं, वे समय के साथ आगे निकल जाते हैं। और जो केवल आदर्श अवसर की प्रतीक्षा करते रहते हैं, वे अक्सर शुरुआत ही खो देते हैं। सच यही है कि करियर की मजबूत नींव हमेशा छोटी शुरुआतों से बनती है। यही वह बात है, जिसे हर पीढ़ी को आखिरकार अपने अनुभव से समझना पड़ता है।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
आज आपकी जेब से पैसे जरूर निकलेंगे, लेकिन दिल में चिंता नहीं होगी, क्योंकि कमाई भी अच्छी बनी रहेगी। घर में आपकी राय को गंभीरता से सुनेंगे।

वृषभ
कोई सरकारी काम अगर अटका हुआ है, तो उस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। परिवार में शादी-ब्याह जैसी खुशखबरी का माहौल बन सकता है।

मिथुन
खर्चे ज्यादा हो सकते हैं, जेब और जरूरत दोनों का संतुलन बनाकर चलना बेहतर रहेगा। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में हल्का पछतावा भी हो सकता है।

कर्क
आज आपको हर काम प्लानिंग के साथ करना होगा। मेहनत का रास्ता थोड़ा कठिन जरूर रहेगा, लेकिन धीरे-धीरे बाधाएं हटती दिखाई देंगी।

सिंह
वाहन चलाते समय सावधानी रखें, खासकर किसी और का वाहन मांगकर चलाने से बचें। मन थोड़ा आलसी रहेगा और काम टालने का मन करेगा।

कन्या
आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर मिल सकती है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

तुला
आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। जीवनसाथी से कोई बात छुपाने की कोशिश रिश्तों में दूरी ला सकती है, इसलिए खुलकर बात करें।

वृश्चिक
आज काम का दबाव काफी ज्यादा रह सकता है, लेकिन आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। नए लोगों से मुलाकात होगी।

धनु
आज धैर्य और मीठी वाणी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। किसी काम को टालना बाद में परेशानी बढ़ा सकता है। संतान से किया वादा निभाने का समय आ सकता है।

मकर
आज का दिन सामान्य लेकिन राहत भरा रहेगा। नौकरी से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होंगी। जीवनसाथी बिजनेस और काम में पूरा साथ देंगे। मेहनत पर भरोसा रखेंगे तो परिणाम अच्छे मिलेंगे।

कुंभ
आज विद्यार्थियों के लिए दिन बेहद शानदार रहने वाला है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आप पढ़ाई पर पूरा ध्यान देंगे और आपका फोकस पहले से मजबूत होगा।

मीन
ऑफिस में बॉस के साथ बहस होने की संभावना है, इसलिए शांत रहकर काम करें। परिवार के बड़े सदस्यों का सहयोग आपको मजबूती देगा।

अक्सर ऑफिस के काम के कारण आप अपने पार्टनर को टाइम नहीं दे पाते। ऑफिस के वर्क लोड के साथ पार्टनर को खुश रख पाना मुश्किल हो जाता है। इससे आपके रिलेशनशिप में दूरियां आने लग जाती है और झगड़े होने लगते है। आज हम आपको ऐसी ट्रिक्स बताएंगे जिससे आप ऑफिस वर्क लोड के साथ पार्टनर को भी आराम से खुश कर पाएंगे।

ऑफिस वर्क प्रेशर के साथ-साथ इस तरह रखें पार्टनर को खुश

टीवी देखना

ऑफिस से घर आने के बाद अक्ले टीवी देखने की बजाए पार्टनर के साथ बैठ कर टीवी देंखे और उनके साथ बातें करें। इससे पार्टनर को भी आप से कोई शिकायत नहीं रहेगी।

ऑफिस का काम

कुछ लोग अपने ऑफिस का काम भी घर पर ही ले आते है। जिससे हर पत्नि नाराज हो जाती है। अपने पार्टनर को खुश रखने के लिए अपने काम को घर लाने की बजाए ऑफिस तक ही रखें।

वीकेंड प्लानिंग

ऑफिस से छुट्टी होने पर भी आप परिवार के साथ समय बिताने की बजाए फोन या बैड के साथ चिपके रहते है। इसकी बजाए वीकेंड पर पार्टनर के साथ कुकिंग या पिकनिंग का प्लान बनाए।

ऑफिस प्रॉब्लम

अक्सर आप ऑफिस की परेशानियों को वहीं सॉल्व करने की बजाए घर पर लें आते है और पार्टनर को भी परेशान करते है। इसलिए अगर पार्टनर को खुश रखना है तो अपने ऑफिस के काम को नहीं तक रखें।

डिनर प्लान

कभी-कभार रात को ऑफिस से जल्दी आने पर पार्टनर के साछ बाहर डिनर करने जाए। इसके अलावा आप घर पर भी पार्टनर के साथ डिनर को स्पेशल बना सकते है।

ये छोटे-छोटे ट्रिक्स अपनाकर घर को बनाएं और भी खूबसूरत

खुद के घर को सजाने का मजा कुछ अलग है। घर की सजावट ऐसी होनी चाहिए जो दिन भर की थकान को बी मिनटों में गायब कर दें। हम लोग अपने घर को सजाने के लिए कोई कोई एक्सपेरिमेंट्स करते ही रहते है। अगर आप भी अपने भी आसान तरीकों से अपने घर को सजाए रखना चाहते है तो आइए हम आपको कुछ टिप्स बताते है जो घर की लुक को कर देंगे चेंज।

सीप रखें - एक कांच के कंटेनर में सीप डालकर साईड टेबल पर या कॉर्नर में रखें। इसको लीविंग रूम में रखें। इससे रोमांटिक फील आएगा।
टायर पॉट - पुराने टायर को अच्छा सा पेंट करें और उसमें पौधे लगाएं। यह आपके गार्डन को अल ही लुक देंगे।
वॉलपेपर - दीवारों को डिफैरेंट और यूनिक लुक देने के लिए वॉलपेपर इस्तेमाल करें। इनमें आपको कई रंग, डिजाइन्स, पैंटर्न्स मिल जाएगे। इन्हें आप खुद भी लगा सकते है।
शंकु देंगे विन्टेज लुक - यह आपको किसी भी फूलवाले के यहां आसानी से मिल जाएगे। आप इन्हें सर्दियों में सिल्वर पेंट करके सजा सकते है। किसी मेसन जार में भी रख सकते है।
हैंगिंग पौधे - छोटे-छोटे पौधों को किसी पुरानी बोतल में उगाएं और नेट के कपड़े से कवर करें। हैंगिंग की तरह लगा दें। इसे आप अंदर और बाहर सजा सकते है।
पुरानी चीज़ें, नया लुक - कुछ पुराने क्न्टेनर्स जैसे मग, वॉटर केन्स, डब्बे आदि को पौधे लगाने के लिए इस्तेमाल करें। इससे गार्डन को अलग लुक मिलेगी।
गार्डन में पोन्ड - गार्डन पोन्ड को नया लुक देना चाहते है तो उसके आस-पास पत्थर जोड़कर उसकी बाउनडरी वॉल बनाएं। इसके बीच-बीच में अलग-अलग रंगों के फ्लॉवर लगाएं।

क्या पहनाएं बच्चों को

यदि आप किसी शादी में जा रही हों तो अपने बच्चे पर शेरवानी ट्राई कर सकती हैं। ये आपके बच्चे को ट्रेडिशनल लुक तो देता ही है, साथ ही साथ बच्चा स्टाइलिश भी लगता है। इसके अलावा ब्राइट कलर वाली प्लेन शेरवानी भी पहनाई जा सकती है। साथ ही ड्रेस से मैच करते हुए नागरे या जूतियां पहनाएं। शेरवानी के साथ ही कोट पैंट भी एक बढ़िया ऑपशन है। फॉर्मल पैंट के साथ डिजाइनदार शर्ट पहनाएं। यदि ठंड का मौसम हो तो कढ़ाई वाला कोट भी पहनाया जा सकता है। और हां गले में बो पहनाना न भूलें, इससे आपके बच्चे का स्मार्ट लुक आता है। फूटवियर्स के तौर पर आप लेदर के शूज पहनाएं,और यदि आपका बच्चे के साथ किसी बर्थ-डे पार्टी में जा रही है तो बच्चे को डेनिम जींस के साथ शर्ट पहनाएं व लाइट वाले स्टाइलिश जूते पहनाएं। यदि आपके बच्चे का ही बर्थ-डे हो तो बच्चे को मल्टी पॉकेट पैंट्स के साथ ब्राइट कलर वाली टी-शर्ट पहनाएं।

बच्चों को वक्त देना जरूरी

तो क्या बेस्ट मॉम बनने के लिए बच्चे को ज्यादा वक्त देना जरूरी है? डीयू के एक कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की टीचर संगीता पाठक इसका जवाब 'हां' में देती हैं। हायर एजुकेशन ले रहे दो बच्चों की मां संगीता बताती हैं कि बेहतर टाइम मैनेजमेंट मां के लिए बड़ा चैलेंज है। ग्रेजुएशन खत्म होने से पहले ही मेरी शादी हो गई थी, इसलिए मां बनने के बाद पढ़ाई और फिर कैरियर को आगे बढ़ाना भी एक चैलेंज था। मैंने प्राइमरी टीचर बनकर काम शुरू किया। कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई भी साथ-साथ चलती रही। नन्हे बच्चे को धूप में बाहर लाना अच्छा नहीं लगता था, पर स्कूल से लौटते वक्त उसे क्रेच से घर लाना पड़ता था। बड़े होते बच्चों के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ीं। शाम को कभी बेटे को स्केटिंग या स्विमिंग क्लास ले जाना होता था, तो कभी बेटी को डांस क्लास। उनकी पढ़ाई और होमवर्क की जिम्मेदारी थी, सो अलग।

ब्राइडल बनने वाली हैं तो ये स्टाइलिश फुटवियर करें ट्राई

शादी का दिन लड़की के लिए बहुत खास होता है। इस दिन दूल्हन खास तरह से तैयार होती है। लहंगा,ज्वैलरी के साथ-साथ ब्राइडल की लुक तब तक कंप्लीट नहीं होती जब तक की उसके फुटवियर परफैक्ट न हो। फुटवियर से पर्सनैलिटी की पहचान होती है, आजकल ढेरों तरह की वैरायटी मार्किट में आसानी से मिल जाती है, जिसे आप अपनी पसंद और कंफर्ट के हिसाब से इस दिन के लिए पहन सकती है। हील वाले फुटवियर के साथ-साथ अब लड़कियां फ्लैट या फिर पंजाब जूती भी खूब पसंद कर रही हैं। आप अपनी च्वाइस के हिसाब से अपने लिए चूज कर सकते हैं।

- ब्राइट कलर फुटवियर
- स्टोन वर्क
- लेस का जादू
- पंजाबी जूती
- फ्लैट फुटवियर

डेटिंग पर जा रहे है तो अपनाएं ये टिप्स

अपनी पहली डेटिंग को लेकर हर लड़की के मन में अजीब सा डर होता है। वहीं मिथ है कि लड़के अपनी पहली डेट को लेकर काफी कॉन्फिडेंट होते है लेकिन फिर भी उन से कोई न कोई ऐसी गलती हो ही जाती है, जिस वजह से वह लड़की पर खास इम्प्रैशन नही जमा पाते। आइए हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जो पहली डेटिंग में ही लड़की पर इम्प्रैशन जमा देंगे।

- पहली डेट पर कुछ भी ऐसा न बोले, जिससे गर्लफ्रैंड नाराज हो जाए।
- लड़कियां लुक्स पर अधिक ध्यान देती है, इसलिए स्मार्ट बनकर जाएं।
- लुक्स के साथ लड़कियां लड़कों का व्यवहार और अक्ल भी देखती है। ऐसा व्यवहार करें, जो लड़की को इम्प्रेस कर सकें।
- पहली डेट पर बाकी लड़कियों से ज्यादा अपनी गर्लफ्रेंड पर ध्यान दें।
- लड़की को कॉम्पलिमेंट जरूर दें। लड़कियों को झूठी तारीफ बिल्कुल पंसद नहीं होती। इसलिए जो भी कहें दिल से कहें।
- डेट पर खुद ही बोलते न चले जाए बल्कि गर्लफ्रेंड को भी अपनी बात रखने का मौका दें।
- अगर गर्लफ्रेंड को देर हो जाए तो उसे लिफ्ट जरूर दें।
- सबसे जरूरी बात पहली डेट पर आप अपनी गर्लफ्रेंड को वेट बिल्कुल भी न करवाएं।

उपहार का महत्व

तोहफे किसको पसंद नहीं होते, ये आपके भाव को व्यक्त करने में सबसे अहम रोल निभाते हैं। इसमें आप अपने भरोसेमंद दोस्त की मदद भी ले सकती हैं। अगर आपके पार्टनर के पास प्रमोशन या न्यू प्रॉजेक्ट जैसी सेलिब्रेट करने की कोई वजह हो, तो उन्हें चॉकलेट्स, एक वाइन बॉटल, फूल या उनका कोई पसंदीदा गिफ्ट भेजकर सरप्राइज दे सकते हैं। यकीन मानिए, यह चीज वह कभी नहीं भूलेंगे। यदि आप दोनों की आदतें या खान-पान, एक जैसा होता है तो मजा आ जाता है, ऐसे में आपको बात करने के आपस में कनेक्टेड रहने के लिए एक जैसी हॉबीज डिवेलप करने से अच्छा बहाना कुछ नहीं हो सकता।

टूटते रिश्ते को बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बिजी लाइफस्टाइल में लोगों के पार्टनर के साथ समय बिता पाना काफी मुश्किल है। शायद इसी वजह से रिश्तों में दरार पैदा होने लगती है। पति-पत्नी के रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगती है। इस दौरान रिश्ते में रूठना-मनाना लगा ही रहता है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप कैसे अपनी टूटते रिश्ते को बचा सकती है। अगर आपका पार्टनर आपको इग्नोर करने लगे तो इसे इग्नोर न करें। बल्कि ऐसा कुछ करें जिससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बरकरार रहें। हम आपको कुछ सीक्रेट्स बताएंगे, जिन पर ध्यान रखकर आप अपने टूटते रिश्ते को बचा सकते है।

- अगर पार्टनर आपसे दूर भाग रहा है या आपकी किसी भी बात का सही से जवाब नहीं दे रहा तो ऐसे में उस समस्या का कारण समझकर उसे सुलझाने की कोशिश करें।
- पति-पत्नी आपस में बातचीत करते रहें। कभी भी अपने रिलेशन में बातचीत का लंबा गैप न डालें। एक-दूसरे से बात करने को कोई न कोई बहाना ढूढ़ते रहें।
- पार्टनर की बेरूखी का कारण जानने की कोशिश करें। खास बात अपने रिश्ते में कभी भी भरोसे की कमी न होने दें।
- घर में होने वाले छोटे-मोटे झगड़े को अपने रिलेशन पर हावी न होने दें।

चांदी 8,900 सस्ती, सोना भी 2,400 नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज भारी गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती

कारोबार में सोने की कीमत करीब 2,400 रुपये से अधिक की गिरावट आई है जबकि चांदी की कीमत 8,900 रुपये सस्ती हुई है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। इससे महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने का अनुमान है। साथ ही अमेरिका में आर्थिक आंकड़े उम्मीदों से बेहतर रहने के कारण देश में ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बने रहने की आशंका है। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,55,594 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,54,177 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 2464 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,712 रुपये तक फिसला। सुबह 11.15 बजे यह 2,149 रुपये यानी 1.38 फीसदी की गिरावट के साथ 1,53,445 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,48,537 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 2,51,001 रुपये पर खुला और शुरुआती कारोबार में 8,895 रुपये की गिरावट के साथ 2,39,064 रुपये तक फिसला। सुबह 11.15 बजे यह 8513 रुपये यानी 3.43 फीसदी की गिरावट के साथ 2,40,024 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। सर्राफा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 1,040 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,690 रुपये पर आ गया। इसी तरह 22 कैरेट वाले सोने की कीमत में 950 रुपये की गिरावट आई है और यह 1,39,050 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 18 कैरेट वाला सोना 780 रुपये सस्ता होकर 1,13,770 रुपये पर आ गया। इसी तरह चांदी की कीमत में 5,000 रुपये की गिरावट आई है और 2,60,000 रुपये पर ट्रेड कर रही है।

एसबीआई के एटीएम में कैश का संकट! आरबीआई तक पहुंची शिकायत

मांगा 100 करोड़ मुआवजा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के कई छोटे शहरों और कस्बों में एटीएम से कैश निकालने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। एटीएम उद्योग के संगठन (कॉन्फेडरेशन ऑफ एटीएम) ने भारतीय रिजर्व बैंक को शिकायत भेजकर कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कैश की सप्लाई मुख्य रूप से बड़े शहरों के एटीएम में की जा रही है, जिससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में कैश की कमी पैदा हो रही है।

सी एटीएमआइ का कहना है कि कैश की कमी के कारण कई एटीएम बंद पड़े हैं, जिससे एटीएम ऑपरेटरों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन ने बैंकिंग उद्योग से करीब 100 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। एटीएम बंद रहने से ऑपरेटरों को ट्रांजेक्शन और इंटरचेंज फीस का नुकसान हो रहा है।

द इकनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक मामला मुख्य रूप से जुड़ा

बताया जा रहा है। देश में लगभग 65,000 एटीएम का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इनमें से करीब आधे एटीएम में कैश भरने का काम सीधे बैंक करता है, जो ज्यादातर महानगरों और बड़े शहरों में स्थित हैं। उद्योग का आरोप है कि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के एटीएम में पर्याप्त कैश नहीं पहुंच रही है। 20 जून तक इस समस्या का समाधान करने को कहा है। संगठन का कहना है कि कई एटीएम नेटवर्क पहले ही घाटे में चल रहे हैं और यदि स्थिति नहीं सुधरी तो एटीएम बंद होने की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

बढ़ती लागत और घटते ट्रांजैक्शन से संकट गहराया

एटीएम ऑपरेटरों के सामने एक और चुनौती बढ़ती परिचालन लागत है। कई राज्यों में न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत तक वृद्धि और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से खर्च बढ़ गया है। दूसरी ओर एटीएम से कैश निकासी भी लगातार घट रही है। जनवरी 2023 में जहां हर महीने करीब 57 करोड़ कैश निकासी ट्रांजैक्शन होते थे। वहीं सितंबर 2025 तक यह संख्या घटकर 43.95 करोड़ रह गई।

दिसंबर 2025 से उपलब्धता में दिक्कत

दिसंबर 2025 के बाद से कई राज्यों में बैंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट से कैश प्राप्त करने में दिक्कत हो रही है। संगठन का कहना है कि खाली एटीएम का मतलब सीधे तौर पर एक खोया हुआ ट्रांजैक्शन है। देश में एटीएम की संख्या भी धीरे-धीरे कम हो रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में एटीएम की संख्या घटकर करीब 2.51 लाख रह गई, जबकि एक साल पहले यह संख्या 2.53 लाख से अधिक थी। सबसे ज्यादा कमी ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लगे ऑफ-साइट एटीएम में दर्ज की गई है। यदि कैश सप्लाई की समस्या जल्द दूर नहीं हुई तो छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में लोगों को एटीएम से पैसा निकालने में दिक्कत हो सकती है। हालांकि डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन देश के कई हिस्सों में अभी भी कैश ट्रांजेक्शन की बड़ी भूमिका है। ऐसे में एटीएम में कैश की कमी आम उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा सकती है।

5 लाख करोड़ की चपत, पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार धड़ाम, सेंसेक्स 800 अंक फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से आज एशियाई शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई है। इसका असर घरेलू बाजार पर भी दिख रहा है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में 800 अंक की गिरावट आई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी50 इंडेक्स भी 250 अंक से ज्यादा फिसल गया। सुबह 9.20 बजे 784.77 अंक यानी 1.06 प्रतिशत गिरावट के साथ 73,458.57 अंक पर आ गया। निफ्टी 234.80 अंक यानी 1 प्रतिशत टूटकर 23,131.90 अंक पर आ गया। सभी सेक्टर्स में गिरावट आई है। इस गिरावट से निवेशकों को 5 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 456 लाख करोड़ रुपये रह गया है। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयर गिरावट के साथ खुले। इंडिगो में सबसे ज्यादा 1.98 फीसदी गिरावट आई। बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, एनटीपीसी, टीसीएस, बीईएल और लार्सन एंड टुब्रो में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। केवल टेक महिंद्रा और सन फार्मा के शेयर तेजी के साथ खुले। निफ्टी मिडकैप में 1.51 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.52 फीसदी गिरावट आई है। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट आई है जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर में तेजी आई है। एशियाई बाजारों में भी भारी गिरावट आई है। दक्षिण कोरिया का बाजार 9 फीसदी से अधिक लुढ़क गया जिसके बाद 20 मिनट तक ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। जापान के निक्केई में 5 फीसदी और हॉन्ग कॉन्ग के हेंग सेंग में और चीन के शंघाई कंपोजिट में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट आई।

क्यों लुढ़का शेयर बाजार

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागीं हैं जिससे अमेरिका और ईरान के बीच शांति की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं। इससे कच्चे तेल की कीमत में भी तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड 3.37 फीसदी तेजी के साथ 96.23 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। इंडियन बास्केट की कीमत 100.1 डॉलर पहुंच गई।

विदेश में पढ़ाई का सपना हुआ महंगा, गिरते रुपये ने लाखों छात्रों को दिया झटका!

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले लाखों भारतीय छात्रों और उनके परिवारों के लिए हाल के महीनों में एक नई चिंता खड़ी हो गई है। भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, जिसका सीधा असर विदेशों में पढ़ाई कर रहे छात्रों के खर्चों पर पड़ रहा है। स्थिति यह है कि जो एजुकेशन लोन एक-दो साल पहले पर्याप्त लग रहा था, वह अब कई छात्रों के लिए कम पड़ने लगा है। नतीजतन, छात्रों और उनके परिवारों को अतिरिक्त लोन लेने या अपनी बचत और निवेश तोड़ने की नौबत आ रही है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। पिछले 12 महीनों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। एक समय जहां 1 डॉलर की कीमत करीब 85 रुपये थी, वहीं अब यह 95 रुपये के आस-पास पहुंच गई है। सुनने में यह बदलाव छोटा लग सकता है, लेकिन विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए इसका असर लाखों रुपये के अतिरिक्त खर्च के रूप में सामने आ रहा है। मुंबई की एक उद्यमी सुनेत्रा बनर्जी का उदाहरण इस समस्या को अच्छी तरह समझाता है। उनकी बेटी अमेरिका की एक डिजाइन यूनिवर्सिटी में पढ़ रही है। सुनेत्रा के अनुसार, पहले साल में ही उनके परिवार को शुरुआती अनुमान से 7 से 8 लाख रुपये अधिक खर्च करने पड़े। सिर्फ ट्यूशन फीस ही नहीं, बल्कि हॉस्टल, खाने-पीने, रोजमर्रा के खर्च और यात्रा लागत भी काफी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि जो हवाई टिकट एक साल पहले करीब 96 हजार रुपये में मिल जाती थी, उसकी कीमत अब 1.6 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

शेयर बाजार में गिरावट के विपरीत 9 प्रतिशत चढ़ा एचजी इंफ्रा स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। एक तरफ घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। दूसरी तरफ एक स्टॉक है जिसको खरीदने के लिए निवेशकों में होड़ सी मची हुई है। हम बात कर रहे हैं एचजी इंफ्रा की। कंपनी के शेयरों का भाव 9 प्रतिशत से अधिक आज सोमवार को उछल गया। इसके पीछे की वजह गंगा एक्सप्रेस वे से जुड़ी एक खबर है। कंपनी को गंगा एक्सप्रेस वे एक सेक्शन का काम मिला था। कंपनी ने यह काम पूरा करना लिया है। उन्हें काम पूरा करने का सर्टिफिकेट भी मिल गया है। बता दें, इस प्रोजक्ट की वैल्यू 4970.99 करोड़ रुपये का था। आज सोमवार को बीएसई में एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग के शेयर 559.95 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 602 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। बता दें, इस कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि अडानी रोड ट्रांसपोर्ट ने उन्हें काम पूरा करने का प्रोविजनल सर्टिफिकेट दिया है। कंपनी ने कंफर्म किया कि अब यह कॉमर्शियल ऑपरेशंस के लिए फिट है। एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग को 151.70 किलोमीटर का काम मिला था। कंपनी बदांयू जिले के नागला से हरदोई जिले के उबरिया खुर्द तक काम करना था। यह प्रोजेक्ट अडानी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड ने दिया था। बता दें, इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 820 दिन का समय मिला था।

स्नैपचैट ने भारत में ब्रांड ग्रोथ के लिए एक अग्रणी प्लेटफ़ॉर्म के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत की

मुंबई, एजेंसी। स्नैपचैट ने आज भारत में अपने विज्ञापन व्यवसाय में मजबूत वृद्धि की घोषणा की। पिछले दो वर्षों में प्लेटफ़ॉर्म पर विज्ञापनदाताओं की संख्या 10 गुना बढ़ी है, जबकि पूरे वर्ष की चारों तिमाहियों में लगातार विज्ञापन खर्च करने वाले विज्ञापनदाताओं की संख्या तीन गुना हो गई है।

इस वृद्धि को इमर्सिव विज्ञापन प्रारूपों को बढ़ती अपनाने, चैट को एक उच्च-ध्यान विज्ञापन माध्यम के रूप में विस्तार देने, तथा एआई-संचालित टार्गेटिंग और प्लेटफ़ॉर्म क्षमताओं में निरंतर निवेश से बल मिला है।

भारत में 25 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ,द स्नैपचैट आज उस तरीके के केंद्र में है, जिसके माध्यम से जेन जेड नई चीज़ों की खोज करता है, संवाद करता है और ब्रांड्स के साथ जुड़ता है। यह वर्ग पहले से ही भारत की कुल खपत का 43त्न योगदान देता है,र और इसकी क्रय शक्ति 2035 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।र यही कारण है कि अधिक से अधिक ब्रांड्स जेन जेड के व्यवहार की गहरी समझ और युवाओं के साथ जुड़ने वाले उच्च-ध्यान तथा इमर्सिव अनुभव प्रदान करने की क्षमता के लिए स्नैपचैट की ओर रुख कर रहे हैं। हमने ऐसे विज्ञापन

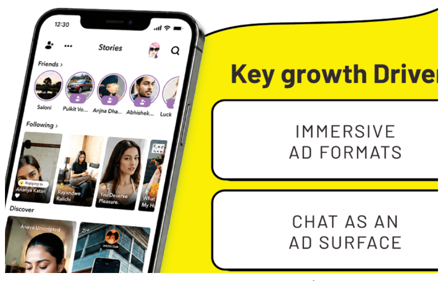

समाधानों का एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया है, जो इस बात पर आधारित हैं कि आज जेन जेड किस तरह संवाद करता है और ब्रांड्स के साथ जुड़ता है। स्नैपचैट एकमात्र ऐसा प्लेटफ़ॉर्म है जो एआर, वीडियो और चैट पर उच्च-ध्यान विज्ञापनों सहित बहु-प्रारूप विज्ञापन समाधान प्रदान करता है, जो ब्रांड्स और व्यवसायों के लिए सार्थक परिणाम देने पर केंद्रित हैं। भारत में जो गति हम देख रहे हैं, वह इमर्सिव और एंगेजमेंट-आधारित मार्केटिंग की ओर बढ़ते व्यापक बदलाव को दर्शाती है। हमारा मानना है कि जैसे-जैसे ब्रांड्स उपभोक्ताओं से जुड़ने के अधिक प्रभावी और सार्थक तरीकों की ओर बढ़ रहे हैं, इस अवसर का नेतृत्व हम कर रहे हैं, पुलकित त्रिवेदी, मैनेजिंग डायरेक्टर, इंडिया, स्नैप इंक. ने कहा। रोहित कपूर, सीईओ, स्विगी फूड मार्केटप्लेस, ने कहा, ऑन-डिमांड और क्विक कॉमर्स इकोसिस्टम में, उपभोक्ताओं का उच्च-इरादे वाला ध्यान आकर्षित करना बेहद महत्वपूर्ण है। डिजिटल एंगेजमेंट के प्रति हमारी रणनीति 'कॉन्टेक्स्चुअल कॉमर्स' के सिद्धांत पर आधारित है, यानी उपभोक्ताओं तक उस समय पहुँचना जब वे सक्रिय रूप से संवाद कर रहे हों और निर्णय लेने की स्थिति में हों। स्नैपचैट स्विगी के लिए एक अत्यंत प्रभावशाली और नवोन्मेषी प्लेटफ़ॉर्म साबित हुआ है, जिसने हमें उच्च-ध्यान वाले चैट सरफेस और इमर्सिव एआर अनुभवों के माध्यम से भारत के जेन जेड उपभोक्ताओं की विज़ुअल बातचीत का स्वाभाविक हिस्सा बनने में मदद की है। सक्षम बनाती है और हमारे व्यापक ब्रांड-निर्माण प्रयासों को लगातार मजबूत करती रही है। साहिबजीत सिंह साहनी, मार्केटिंग हेड, ज़ोमैटो, ने कहा, वीडियो, एआर और स्पॉन्सर्ड स्नैप्स को एक साथ जोड़ने वाली स्नैपचैट की मल्टी-फॉर्मेट रणनीति एक ऐसा ब्रांड अनुभव तैयार करती है जो वास्तव में इंटरैक्टिव और आकर्षक महसूस होता है।

एलपीजी संकट के बीच अडानी को मिला गैस का ठेका, 10 साल के लिए है काम

नईदिल्ली, एजेंसी। एलपीजी संकट के बीच गौतम अडानी की कंपनी- अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को अर्जेंटीना की पहली लिक्विफाइड नेचुरल गैस निर्यात परियोजना के लिए ठेका मिला है। यह समुद्री सेवाओं का ठेका है। इसके साथ ही कंपनी ने दक्षिण अमेरिका में प्रवेश किया है और अपने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेवाओं के दायरे का विस्तार किया है। इस खबर के बीच अडानी पोर्ट्स के शेयर की रफ्तार सुस्त थी। सोमवार को शेयर की कीमत 1825 रुपये के स्तर पर थी। अडानी पोर्ट्स ने कहा कि यह ठेका एपीएसईजेड की सब्सिडयरी कंपनी (स्टेप-डाउन) अडानी हार्बर इंटरनेशनल एफजेडसीओ को अर्जेंटीना स्थित मेरिडियन ग्रुप के साथ एक संघ के जरिये दिया गया है। यह ठेका सदर्न एनर्जी एसए (सेसा) द्वारा आयोजित वैश्विक प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के बाद मिला है। कंपनी ने कहा कि इस कॉन्ट्रैक्ट से इंटरनेशनल एनर्जी लॉजिस्टिक्स प्राइस सीरीज में उसकी मौजूदगी मजबूत होगी और यह विशेषीकृत मरीन सेवाओं में उसकी बढ़ती क्षमता को दर्शाता है।

अडानी पोर्ट्स के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अश्वनी गुप्ता ने कहा- 12 देशों में समुद्री संचालन और बंदरगाहों, एलएनजी टर्मिनल, राष्ट्रीय तेल कंपनियों, रिफाइनरियों और अपतटीय सुविधाओं को समर्थन देने वाले बढ़ते समुद्री संसाधनों के साथ, हमारे पास मजबूत समुद्री वातावरण में गहरी परिचालन विशेषज्ञता है। उन्होंने कहा कि इन क्षमताओं को मजबूत स्थानीय साझेदारियों के साथ जोड़कर हम भरोसेमंद समुद्री तंत्र बनाने में मदद कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि अर्जेंटीना एक प्रमुख नए एलएनजी आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है और 2027 से भारत को प्रति वर्ष एक करोड़ टन तक एलएनजी निर्यात के लिए समझौते किए गए हैं। सदर्न एनर्जी एफएलएनजी परियोजना इस बढ़ती आपूर्ति को वैश्विक मांग केंद्रों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

14 लाख रुपये तक मिलेगा एरियर

केंद्रीय कर्मचारियों को 14 लाख रुपये का एरियर 8वें वित्त आयोग पर बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पे कमीशन ने एक बार फिर से लोगों को सुझाव देने की डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया है। अब 15 जून तक सभी स्टेकहोल्डर्स अपना सुझाव 8वें वित्त आयोग को दे सकते है। पहले यह डेडलाइन 5 मार्च 2026 थी। उसके बाद डेडलाइन को बढ़ाकर 30 अप्रैल किया गया। फिर इसे आगे बढ़ाते हुए 31 मई कर दिया गया था। इस प्रक्रिया में लगातार आगे बढ़ा जा रहे डेडलाइन की वजह से लग रहा है कि पे कमीशन अपनी रिपोर्ट जमा करने में अभी समय लेगा। ऐसे में कर्मचारियों के बीच देरी वजह से एरियर को लेकर भी खूब चर्चाएं हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्रीय

कर्मचारियों को 5 लाख रुपये से 14 लाख रुपये तक एरियर मिल सकता है। बता दें, पे कमीशन का गठन हर 10 साल पर होता है। 7वां वित्त आयोग 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया था। ऐसे में 8वां वित्त आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू हो चुका है। लेकिन पे कमीशन की रिपोर्ट तैयार ना होने की वजह से अभी भी कर्मचारियों को 7वें पे कमीशन के हिसाब से ही सैलरी मिल रही है। एक बार आयोग की रिपोर्ट लागू हो जाए उसके बाद कर्मचारियों को 8वें पे कमीशन के हिसाब से सैलरी मिलेगी। क्योंकि पे कमीशन 1 जनवरी से प्रभावी है। इसलिए एक बड़ा अमाउंट एरियर के तौर पर कर्मचारियों को मिलेगा।

अगर यह फिटमेंट फैक्टर लागू होता है तो बेसिक पे 18000 रुपये से बढ़कर 66240 रुपये के स्तर पर पहुंच जाएगा। मंथली सैलरी में सरकारी कर्मचारियों के 48240 रुपये की बढ़ोतरी होगी। अगर 10 महीने का एरियर देखें तो यह 482400 रुपये के स्तर पर पहुंचता है।

कैसे तय होगा एरियर का भुगतान

सबकुछ फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर करेगा। 8वां वेतन आयोग कितना फिटमेंट फैक्टर रखता है उसी के आधार पर आगे का फैसला होगा। 7वें वित्त आयोग के दौरान 2.57 फिटमेंट फैक्टर रखा गया था। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार 8वें पे कमीशन के दौरान 3.68 फिटमेंट फैक्टर रह सकता है। कैबिनेट सचिव के पोस्ट के अधिकारी का बेसिक पे इस समय 7वें पे कमीशन के अनुसार 482400 रुपये है। अगर 3.68 फिटमेंट फैक्टर लागू होता है तब की स्थिति में बेसिक पे बढ़कर 920000 रुपये के स्तर पर पहुंच सकता है। मंथली सैलरी 670000 रुपये बढ़ जाएगी। ऐसे में महज 2 महीने का ही एरियर 1340,000 रुपये हो जाता है।

फिर से उबलने लगा क्रूड तो बेंगलुरु में पेट्रोल 110 और डीजल 98 के पार, आज का भाव लीजिए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल फिर से उबलने लगा है। पिछले सप्ताहांत यह सस्ता हुआ था। आज बाजार में मानक ब्रेंट क्रूड के दाम ढाई फीसदी तक चढ़े हुए दिखे। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने सोमवार, 8 जून 2026 को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77

रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सप्ताह बदला हुआ है रूख है। सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड के दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं। आज इसके दाम में 2.51 फीसदी या 2.34 डॉलर प्रति बैरल की तेजी दिख रही है। इस समय यह 96.43 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा है। बीते शुक्रवार को कारोबार की समाप्ति के समय यह 93.09 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में भी 2.34 फीसदी की तेजी दिख रही है। अभी यह 92.66 प्रति बैरल पर दिख रहा है। हालांकि, इंडियन बॉस्केट क्रूड के दाम में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है।

29 साल के ज्वेरेव ने जीता पहला ग्रैंड स्लैम

● फ्रेंच ओपन के फाइनल में कोबोली को हराया, पांच सेट तक चला मुकाबला

पेरिस(एजेंसी)। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया है। उन्होंने फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली को हराया।

पेरिस में खेले गए मेंस सिंगल्स फाइनल में दूसरी सीड ज्वेरेव ने दसवीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो को पांच सेटों में 6-1, 4-6, 6-4, 6-7, 6-1 से हराया। 29 साल के ज्वेरेव 11 साल से ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं। इससे पहले वे ग्रैंड स्लैम में तीन बार फाइनल में और सात बार सेमीफाइनल में हार चुके थे।

फ्रेंच ओपन के अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन, विम्बलडन और यूएस ओपन को ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट कहा जाता है।

टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीते थे

ज्वेरेव ने मास्टर्स 1000 इवेंट्स के साथ दो एटीपी फाइल्स भी जीते हैं। टोक्यो में ज्वेरेव ने ओलिंपिक गोल्ड भी जीता था लेकिन उनके खाते में ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं था। इससे पहले 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताबी मुकाबला वह हार चुके थे।

6-1 से एकतरफा जीत दर्ज की

ज्वेरेव ने मैच की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करते हुए पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया। इसके बाद कोबोली ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। ज्वेरेव ने फिर तीसरा सेट 6-4 से जीता, लेकिन कोबोली ने चौथे सेट को टाई-ब्रेकर में 7-6(5) से जीतकर मुकाबले को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर 6-1 से एकतरफा जीत दर्ज की।

89 साल बाद कोई जर्मन मेंस खिलाड़ी चैंपियन बना

ज्वेरेव फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले 89 साल के बाद पहले जर्मन मेंस खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने यह टूर्नामेंट जीता था। वहीं, किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स का खिताब जीतने वाले आखिरी जर्मन मेंस खिलाड़ी बोरिस बेकर थे, जिन्होंने 1996 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था।

कौन हैं उपविजेता फ्लेवियो कोबोली

फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में पहुंचे फ्लेवियो कोबोली इटली के उभरते हुए टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। 24 साल के कोबोली पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने कई मजबूत खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया।

● मानव-सुंदर के आगे अफगानिस्तान ने घुटने टेके

एक पारी और 300 रनों से भारत जीता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत ने महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए एकमात्र टेस्ट मुकाबले में अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से रौंदा। पहली पारी में 152 रनों पर सिमटने के बाद अफगानिस्तान को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी इनिंग में मेहमान टीम का हाल और बेहाल रहा और पूरी टीम 112 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान को सेदिकुल्लाह अटल और अब्दुल मलिक ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। अब्दुल 8 रन बनाकर आउट हुए, तो अटल 80 गेंदों में 42 रन बनाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने। गुरबाज दूसरी पारी में भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 24 रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह दूसरी इनिंग में 13 रन ही बना सके। कप्तान शाहिदी 5 रन ही बना सके, तो अजमतुल्लाह उमरजई 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

विकेटकीपर-बल्लेबाज अफसर जजई 8 रन बनाकर आउट हुए, तो खरोटी सिर्फ 6 रन ही बना सके। मोहम्मद सलीम बिना खाता खोले आउट हुए और अशरफ चोटिल होने की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं उतरे।

अफगानिस्तान ने 39 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे

भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत द्वारा बनाए गए 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में 152 रन बनाकर सिमट गई। मानव सुथार विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित हुए। टेस्ट के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने 113 पर 5 विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और टीम ने अपने अगले 5 विकेट 39 रन जोड़कर गंवा दिए। अफगानिस्तान की तरफ से सिर्फ रहमत शाह ही भारतीय गेंदबाजों का टिककर सामना कर सके और उन्होंने 60 रनों की पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। तीसरे दिन की शुरुआत अफगानिस्तान के लिए अच्छी नहीं रही और अजमतुल्लाह उमरजई बिना खाता खोले प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

एआई इंसान की मदद कर सकता है, उसकी जगह नहीं ले सकता

बॉलीवुड के सीनियर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने एक बार फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर अपने विचार शेयर किए। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एआई लोगों के कई काम आसान कर देगा, लेकिन असली सफलता उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो अपनी क्रिएटिविटी और इमोशनल इंटेलिजेंस को जीवित रखेंगे। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''एआई भविष्य में लोगों के अधिकतर मानसिक और बौद्धिक कार्यों को संभाल सकता है, लेकिन वह इंसान के भीतर मौजूद मानवीय गुणों की जगह नहीं ले सकता। भविष्य उन्हीं लोगों का होगा जो अपने भीतर की क्रिएटिविटी को लगातार मजबूत करते रहेंगे। म्यूजिक, पोएट्री, पेंटिंग, कम्युनिकेशन, कोलेबोरेशन और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे गुण इंसानों को मशीनों से अलग बनाते हैं।'' सुभाष घई ने आगे कहा, ''एआई से केवल जानकारी हासिल करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस जानकारी को भावनाओं और रचनात्मकता के साथ जोड़ना भी जरूरी है। जब कोई व्यक्ति कला, साहित्य और मानवीय मूल्यों से जुड़ा रहता है, तभी वह समाज के लिए बेहतर योगदान दे सकता है और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित कर सकता है।''

बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब सुभाष घई ने एआई को लेकर अपनी राय रखी हो। वह इस विषय पर अपने विचार साझा करते रहते हैं। उनका मानना है कि एआई एक ताकतवर टेक्नोलॉजी है, लेकिन इसे इंसान की रचनात्मकता का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। कहानियां, भावनाएं और कल्पनाएं इंसानी दिमाग से जन्म लेती हैं, और इन्हें पूरी तरह किसी मशीन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सुभाष घई ने एक पोस्ट के जरिए कहा था कि समय के साथ पीढ़ियां बदलती हैं, टेक्नोलॉजी बदलती है और लोगों के सोचने का नजरिया भी बदलता रहता है। हालांकि, इन सभी बदलावों के बीच एक चीज स्थायी रहती है, और वह है इंसान की रचनात्मक सोच। एआई इंसानी बुद्धिमत्ता की ही देन है और उसका उद्देश्य इंसान की मदद करना है।

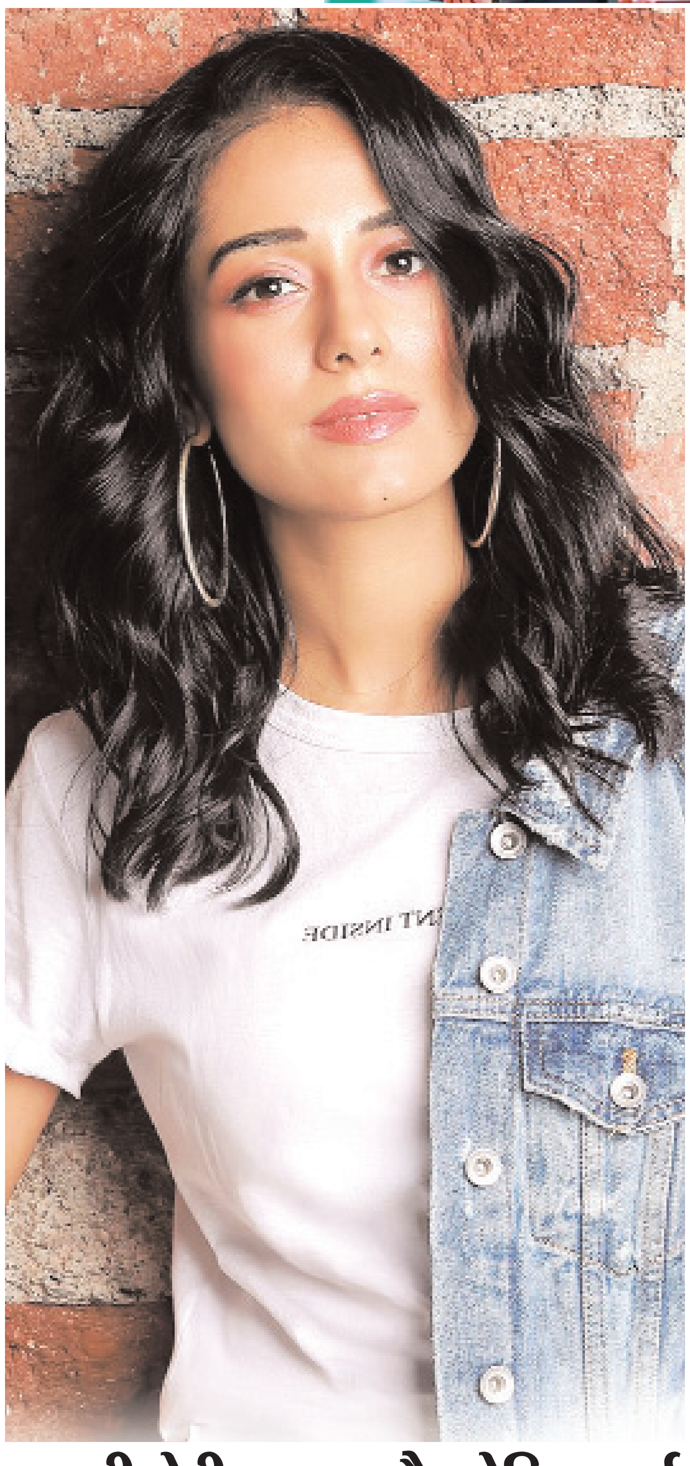

सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल

'पूनम' के किरदार ने दिलाई घर-घर में पहचान

सिनेमा जगत में कई अभिनेत्रियां आईं और गईं, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी सादगी और सहज अभिनय के कारण लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। अभिनेत्री अमृता राव भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। खासकर फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अमृता ने अपनी अलग छाप छोड़ी। 7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा।

पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं। इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर' और 'प्यारे मोहन' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह' का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम' का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम' के नाम से याद करते हैं। अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगू सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि' में नजर आईं। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट, 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया।

मराठी मेरी पहचान है, लेकिन नई भाषाएं सीखना रोमांचित करता है

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। अपने इस अनुभव को उन्होंने आईएएनएस संग साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए शरवरी वाघ ने कहा, ''घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।'' शरवरी ने कहा, ''भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है।

रामायण और वाराणसी के भारी-भरकम बजट पर मनोज बाजपेयी की दो टूक

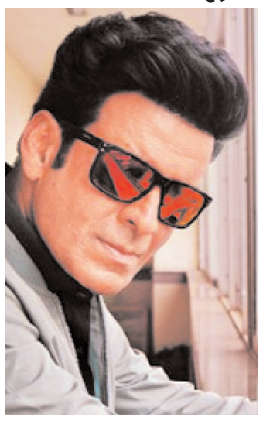

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' और महेश बाबू की 'वाराणसी' जैसी बड़ी फिल्मों की काफी चर्चा है। लोग इन फिल्मों की कहानी से ज्यादा इनके करोड़ों रुपये के बजट को लेकर बातें कर रहे हैं। मशहूर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इस बात पर नाराजगी जताई है और दर्शकों को समझाया है कि उन्हें फिल्म की कमाई या बजट से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए।

बजट बताना सिर्फ पब्लिसिटी का एक तरीका है

एक खबर के अनुसार, मनोज बाजपेयी से जब पूछा गया कि 'रामायण' और 'वाराणसी' जैसी फिल्मों के मेकर्स उनके भारी-भरकम बजट का इतना प्रचार क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि यह सब पब्लिसिटी स्टंट का एक जरिया है। पिछले 15 साल से फिल्मों को हिट दिखाने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दर्शकों को इस कमाई से एक रुपया भी नहीं मिलता

मनोज बाजपेयी ने दर्शकों को समझाने के लिए कहा, 'यह बीमारी इतनी बढ़ गई है कि एयरपोर्ट पर मिलने वाले आम लोग भी मुझसे फिल्मों की कमाई के आंकड़े पूछने लगते हैं। मैं उन्हें टोकता हूं कि यह पैसा आपके बैंक खाते में नहीं आ रहा है। दर्शकों का फिल्म से सिर्फ इतना नाता होना चाहिए कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। मेकर्स जिस 500-600 करोड़ रुपये की बात करते हैं, उससे दर्शकों का कोई फायदा नहीं होता। फिल्म का बिजनेस सिर्फ निर्माता का काम है।'

कब रिलीज होगी 'रामायण'

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है, जिसका बजट 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (सीता), सनी देओल (हनुमान), रवि दुबे (लक्ष्मण) और यश (रावण) के किरदार में नजर आएंगे। इसका पहला भाग इसी साल दिवाली पर रिलीज हो होगा।

प्रेरणा सेवा ट्रस्ट ने 32वां स्थापना दिवस मनाया

भोपाल। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध हमीदिया अस्पताल परिसर स्थित प्रेरणा सेवा ट्रस्ट ने आज अपना 32वां स्थापना दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया। ट्रस्ट की स्थापना 7 जून 1994 को स्वर्गीय सरदार श्री दयाल सिंह सलूजा जी की जन्म जयंती पर की गई थी। पिछले 32 वर्षों से ट्रस्ट अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों की निःस्वार्थ सेवा कर रहा है। ट्रस्ट द्वारा चाय-नाश्ता, दोनों समय का भोजन, दूध-दलिया, वस्त्र, दवाइयां, व्हीलचेयर, वॉकर, चिकित्सा जांच सहायता, रैन बसेरा, एंबुलेंस सेवा तथा मरीजों के परिवहन हेतु ई-रिक्शा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में दो प्याऊ भी संचालित किए जा रहे हैं। रैन बसेरा में ठहरने वाले मरीजों के परिजनों को निःशुल्क नाश्ता एवं दोनों समय का भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है। स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश मालवीय, प्रोफेसर, गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अध्यक्ष, मध्य प्रदेश मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन तथा डॉ. जीवन सिंह मीणा रहे। अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया।

अपने संबोधन में डॉ. मालवीया ने कहा कि प्रेरणा सेवा ट्रस्ट वर्षों से जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को संवेदनशील सहयोग प्रदान कर रहा है। शासकीय व्यवस्थाओं के अतिरिक्त जहां भी सहायता की आवश्यकता होती है, वहां ट्रस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत रहने के समय से ही वे ट्रस्ट की सेवाओं को देखते आ रहे हैं और आज भी संस्था उसी समर्पण भाव से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर समन्वय ग्रुप, भोपाल एवं दीनी वेलफेयर सोसायटी, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री विजय कुमार जैन, श्री कन्हैयालाल गोदानी, श्रीमती ललिता खाव्या, श्री ताराचंद जैन एवं श्री जगजीत सिंह (पिंटे जी) को उनकी विशिष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए ट्रॉफी एवं सम्मान-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्टी श्री शिव मोहन माथुर ने किया। श्री माथुर ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य अस्पताल में आने वाले जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट की सचिव श्रीमती कमलदीप सलूजा ने आभार व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में दानदाता, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं ट्रस्ट सदस्य उपस्थित रहे।

कचरा कैफे का किया निरीक्षण

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विशेष अभियान चलाने हेतु भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को कचरा प्रबंधन सुविधाओं के एक्सपोजर विजिट कराने संबंधी आदेशों के परिपालन में नगर निगम, भोपाल ने पार्षदगण को सस्टेनेबल कचरा प्रबंधन के भोपाल मॉडल के तहत विभिन्न संयंत्रों एवं गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन तथा कचरा कैफे का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित कर इन संयंत्रों पर अपशिष्ट की रिसाइकलिंग, उपयोगी उत्पाद बनाने तथा कचरा प्रबंधन की अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। निगम के जनप्रतिनिधियों के दल में महापौर परिषद के सदस्य श्री आर.के.सिंह बघेल सहित अनेक जोन अध्यक्ष व पार्षदगण मौजूद थे। नगर निगम, भोपाल के पार्षदगण ने शनिवार को सस्टेनेबल कचरा प्रबंधन मॉडल जो कि कचरा प्रबंधन का भोपाल मॉडल के नाम से मशहूर है पर कचरा प्रबंधन की विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करने एवं कचरे की रिसाइकलिंग अन्य प्रक्रियाओं को सजीव रूप से देखने हेतु कजलीखेड़ा स्थित सी.एंड डी. वेस्ट रिसाइकलिंग प्लांट व कचरा ट्रांसफर स्टेशन, दानापानी स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन एवं कोकोनट रिसाइकलिंग प्लांट तथा थर्माकोल रिसाइकलिंग प्लांट का भ्रमण कर प्रत्येक प्लांट एवं ट्रांसफर स्टेशन पर होने वाली समस्त प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और वेस्ट से अन्य प्रकार के उपयोगी उत्पाद बनाने के कार्य को भी देखा। इसके अतिरिक्त पार्षदगण ने 10 नंबर मार्केट स्थित कचरा कैफे का भी अवलोकन किया और कचरा कैफे की गतिविधियों की भी जानकारी प्राप्त की।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 1.25 लाख विद्यार्थियों को मिला महाविद्यालय आवंटन

भोपाल । प्रदेश के महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए द्वितीय चरण की आवंटन सूची जारी कर दी गई है। इस चरण में प्रदेशभर के 1 लाख 25 हजार 917 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की गई है। जारी सूची के अनुसार स्नातक स्तर पर 93 हजार 546 विद्यार्थियों तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 32 हजार 371 विद्यार्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। द्वितीय चरण में महाविद्यालय आवंटित विद्यार्थियों को 7 से 13 जून 2026 के बीच निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। निर्धारित अवधि में प्रवेश शुल्क जमा नहीं करने की स्थिति में आवंटित सीट निरस्त हो जाएगी। विभाग द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की गई है कि वे समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए शीघ्र प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। साथ ही आवंटन संबंधी जानकारी के लिए ई-प्रवेश पोर्टल पर नियमित रूप से देखते रहें।

ज्ञानमेव शक्ति' की चेतना ही मनुष्य को नर से नारायण बनने का मार्ग करती है प्रशस्त : परमार

भोपाल । उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि भारतीय परम्परा में ज्ञान का सर्वोच्च स्थान रहा है। भारत का सनातन दर्शन केवल ज्ञान अर्जन का नहीं, बल्कि ज्ञान को साधना बनाकर आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करने का दर्शन है। 'ज्ञानमेव शक्ति' की चेतना से प्रेरित होकर 'नर से नारायण' बनने का यह सतत उपक्रम ही भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत महानता का आधार रहा है। मंत्री श्री परमार रविवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन के गौरांजनी सभागार में आयोजित 'मध्यप्रदेश : वैश्विक बौद्ध धरोहर केंद्र ' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश को वैश्विक बौद्ध धरोहर केंद्र के रूप में स्थापित करने हेतु आवश्यक प्रयासों एवं पहलों पर अपने विचार व्यक्त किए। श्री परमार ने कहा कि भारत का मूल दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का रहा है, जिसमें संपूर्ण सृष्टि के कल्याण का भाव निहित है। इसी सनातन विचारधारा को भगवान गौतम बुद्ध ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित किया। श्री परमार ने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थस्थलों को आस्था एवं पर्यटन के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित किए जाने से भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक वैभव विश्वमंच पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित होगा। श्री परमार ने विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन से प्राप्त निष्कर्ष स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को पुनः विश्वगुरु और विश्वमंच का मुकुटमणि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध केवल भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। उनका मानव कल्याण, करुणा और शांति का संदेश वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

ऑटो चालकों का अनोखा प्रदर्शन, बोले

किस्त भरते-भरते हाल बेहाल, किराया बढ़ाए सरकार

भोपाल, नप्र।

राजधानी भोपाल में ऑटो चालकों ने अपनी आर्थिक परेशानियों को अनोखे अंदाज में सामने रखते हुए फटी चड्डी दिखाकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। बढ़ती महंगाई, डीजल, पेट्रोल और सीएनजी की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में आयोजित इस प्रदर्शन के माध्यम से चालकों ने सरकार से ऑटो किराए में बढ़ोतरी की मांग की।

नवीन छावनी पठार, रायसेन रोड स्थित शनि मंदिर के पास आयोजित धरना-प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। प्रदर्शन में ऑटो संगठन के अध्यक्ष गोल्डन संजू अहिरवार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ऑटो चालक शामिल हुए। संगठन से जुड़े पुषेन्द्र अहिरवार, विशाल और राजेश ने भी चालकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

प्रदर्शन के दौरान ऑटो चालकों ने फटी चड्डी दिखाकर अपनी आर्थिक स्थिति का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि ऑटो की किस्त, ईंधन खर्च, वाहन रखरखाव और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते-निभाते उनकी आर्थिक हालत खराब हो चुकी है। चालकों ने कहा, 'किस्त भरते-भरते चड्डी फट गई है। इतनी महंगाई में परिवार का गुजारा करना मुश्किल हो गया है। '

ऑटो संगठन के अध्यक्ष गोल्डन संजू अहिरवार ने कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन ऑटो किराए में लंबे समय से कोई संशोधन नहीं किया गया। इससे हजारों ऑटो चालकों की आय प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऑटो किराए का पुनर्निर्धारण किया जाए ताकि चालक समय पर वाहन की किस्त जमा कर सकें और अपने परिवार का बेहतर ढंग से पालन-पोषण कर सकें।

पुषेन्द्र अहिरवार, विशाल और राजेश ने कहा कि बढ़ती महंगाई का सबसे अधिक असर मेहनतकश वर्ग पर पड़ रहा है। ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों के कारण रोजाना की कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता है, जिससे बचत करना तो दूर, परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बन गया है।

प्रदर्शन के दौरान चालकों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें प्रशासन और सरकार तक पहुंचाई तथा उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द ही ऑटो किराए में उचित संशोधन किया जाएगा। उनका कहना है कि यदि किराया बढ़ाया जाता है तो इससे हजारों ऑटो चालकों और उनके परिवारों को राहत मिलेगी।सुझावः यदि पुषेन्द्र अहिरवार, विशाल और राजेश के संगठन में पद (जैसे उपाध्यक्ष, सचिव, संयोजक आदि) उपलब्ध हों तो उन्हें भी नाम के साथ जोड़कर खबर को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

लीलाधर पांडे फिट इंडिया के स्टेट साइकलिंग लीडर नियुक्त

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश के सक्रिय साइकिलिस्ट और फिटनेस जागरूकता अभियान से जुड़े लीलाधर पांडेय को फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत स्टेट साइकलिंग लीडर (मध्य प्रदेश) नियुक्त किया गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें प्रदेश में साइक्लिंग संस्कृति को बढ़ावा देने, युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करने तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए दी गई है। लीलाधर पांडे लंबे समय से साइक्लिंग के माध्यम से स्वास्थ्य, फिटनेस और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति लोगों को प्रेरित करते रहे हैं। उन्होंने विभिन्न साइक्लिंग अभियानों, जागरूकता रैलियों और सामुदायिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी नियुक्ति मध्य प्रदेश के साइक्लिंग समुदाय के लिए गर्व का विषय मानी जा रही है।

फिट इंडिया के अंतर्गत देशभर में साइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए कई अभियान संचालित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। साइक्लिंग प्रेमियों और खेल जगत से जुड़े लोगों ने लीलाधर पांडे को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में मध्य प्रदेश में साइक्लिंग और फिटनेस आंदोलन को नई गति मिलेगी।

पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित

धर्म प्रकाश मोटवानी एवं आयलदास साधवानी को बनाया गया सहचुनाव अधिकारी

भोपाल । पूज्य सिंधी पंचायत संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ भोपाल के त्रिवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया दिनांक 10 जून से 12 जून 2026 तक प्रातः 11:00 से दोपहर 1:00 तक नामांकन फॉर्म नवयुवक सभा स्कूल के अस्थाई कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे दिनांक 13 जून एवं 14 जून 2026 को नामांकन फार्म चुनाव अधिकारी को अस्थाई कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकेंगे दिनांक 15 जून को प्रत्याशियों की सूची सूचना पटल पर चस्पा की जाएगी नाम वापसी की अवधि 17 जून दोपहर 12:00 बजे तक रहेगी एवं 17 जून को ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी तथा आवश्यक होने पर दिनांक 21 जून 2026 को नवयुवक सभा भवन में प्रातः 8 से 2:00 बजे तक वोटिंग करवाई जाएगी तथा उसी दिन चुनाव के तत्काल पश्चात वोटो की गणना की जाएगी एवं परिणाम घोषित किया जाएगा । चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी करने के लिए चुनाव अधिकारी श्री बसंत चेलानी के साथ श्री धर्म प्रकाश मोटवानी एवं श्री आयलदास साधवानी सहचुनाव अधिकारी सहयोग के रूप में रहेंगे। इसके अलावा चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने वालों की भी सूची जल्दी जारी की जाएगी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर दिया गया जोर

भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

भोपाल। भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएसएस), भोपाल में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' विषय के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण के साथ हुई।

कार्यक्रम में पर्यावरण मृदा विज्ञान प्रभाग के प्रमुख डॉ. तपन अधिकारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्काल और सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

संस्थान के निदेशक डॉ. मनोरंजन मोहंती ने अपने संबोधन में 'एक स्वास्थ्य' (वन हेल्थ) की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि मृदा, वनस्पति, पशु, मानव और पर्यावरण का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारों या वैज्ञानिकों के भरोसे नहीं जीती जा सकती, बल्कि किसानों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक समाज और युवाओं को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने वृक्षारोपण, जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को हरित और सुरक्षित भविष्य की आधारशिला बताया। कार्यक्रम में सॉलिडारिडाड के महाप्रबंधक श्री सुरेश मोटवानी ने पुनर्योजी कृषि और टिकाऊ कृषि प्रणालियों की उपयोगिता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि और खाद्य प्रणालियों में स्थायी सुधार आवश्यक हैं तथा उपभोक्ताओं में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.एन. साहू ने डॉ. एन.एस. रंधावा स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने 'बुद्धिमान संवेदन के माध्यम से पिक्सेल का समाजीकरण' विषय पर बोलते हुए कृषि क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों और नवाचारों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), ड्रोन तकनीक, रिमोट सेंसिंग तथा अन्य उन्नत डिजिटल उपकरणों के माध्यम से कृषि उत्पादकता और पर्यावरण संरक्षण में हो रहे बदलावों की जानकारी दी।

डॉ. साहू ने कृषि अनुसंधान में 'हरित क्रांति से जीन क्रांति' तक की यात्रा का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिकों से सार्वजनिक-निजी सहभागिता मॉडल के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समन्वय डॉ. निशा साहू, डॉ. सोनल तथा सॉलिडारिडाड के अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों सहित लगभग 150 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह के दूसरे दिन भोपाल मंडल में सुरक्षा जागरूकता अभियान रहा जारी

समपार सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने विशेष कार्यक्रम आयोजित

भोपाल, नप्र।

संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस के अंतर्गत 06 जून से 12 जून 2026 तक विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान के दूसरे दिन भी मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में संरक्षा विभाग, इंजीनियरिंग, परिचालन, यांत्रिक, वाणिज्यिक, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संयुक्त रूप से समपार फाटकों पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के दौरान वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को समपार फाटकों पर बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जा रही है तथा सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत 07 जून को मंडल के समपार फाटकों पर जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दूसरे दिन समपार फाटक संख्या 10 (सेमरखेड़ी-कंजिया खंड) एवं समपार फाटक संख्या 274 (सोरई-सुमेर खंड) सहित विभिन्न समपार फाटकों पर 50 से अधिक सड़क उपयोगकर्ताओं की काउंसिलिंग की गई तथा सुरक्षा पंपलेट वितरित कर उन्हें समपार फाटक सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। रेल प्रशासन सभी सड़क उपयोगकर्ताओं से अपील करता है कि समपार फाटकों पर निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करें, बंद फाटक को पार करने का प्रयास न करें तथा सुरक्षित रेल संचालन में सहयोग प्रदान करें। जनसहभागिता एवं जागरूकता से ही समपार दुर्घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है।

8 से 10 जून तक एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आएंगे शुक्र और गुरु ग्रह

आसमान में उंगली के फासले पर दिखेंगे दो चमकदार ग्रह : सारिका घारू

भोपाल, नप्र।

8 से 10 जून तक शाम को पश्चिम आकाश मे खूबसूरत और दुर्लभ खगोलीय नजारा दिखने जा रहा है । हमारे सौर मंडल के दो सबसे चमकदार ग्रह शुक्र या वीनस और बृहस्पति या जुपिटर आकाश में एक-दूसरे के बेहद करीब आने जा रहे हैं। अंतरिक्ष में होने वाली इस घटना को खगोलविज्ञान में कंजक्शन कहा जाता है ।

नेशनल अवार्ड प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने इस संबंध में जानकारियां देते हुये बताया कि दोनो ग्रह 8 जून को पास आना शुरू होंगे और 9 जून को एक-दूसरे के सबसे ज्यादा नजदीक या पीक कजक्शन पर होंगे । सारिका घारू ने बताया कि ब्रह्मांड में ये ग्रह एक-दूसरे से करोड़ों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन पृथ्वी से देखने पर इनका लाइन-ऑफ-साइट संरेखण ऐसा होगा कि ये लगभग आपस में मिलते हुए दिखाई देंगे। इस दौरान मंगलवार शाम दोनों ग्रहों के बीच की कोणीय दूरी या एंगुलर डिस्टेंस घटकर मात्र 1.5 से 1.6 डिग्री रह जाएगी। इसे समझने का आसान तरीका यह है कि यदि आप अपने हाथ को सीधा फैलाकर आसमान की तरफ छोटी उंगली उठाएंगे, तो दोनों ग्रह उस एक छोटी उंगली की चौड़ाई के पीछे छिप सकेंगे।

सारिका ने बताया कि इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए टेलीस्कोप की जरूरत नहीं है आप इसे सूर्यास्त के ठीक बाद पश्चिम आकाश की ओर देखें। इस मिलन में इवनिंग स्टार कहा जाने वाला शुक्र ग्रह सबसे तेज सफेद रोशनी के साथ चमकेगा, जबकि उसके ठीक पास सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति अपनी पीली-सफेद आभा बिखेरता नजर आएगा। सारिका ने यह भी जानकारी दी कि इस घटना के बाद 11 से 15 जून की अवधि में में बुध ग्रह भी इस कतार में शामिल हो जाएगा जिससे पश्चिम के आसमान में एक सुंदर प्लैनेट परेड दिखाई देगा। इसके बाद 16 और 17 जून को हंसियाकार चंद्रमा भी इनके करीब आकर इस दृश्य की खूबसूरती में चार चांद लगाएगा।

तो हो जाईये तैयार इस सप्ताह शाम के समय कुछ पल निकालकर प्रकृति और अंतरिक्ष के इस अनोखे और मनमोहक दृश्य का आनंद लेने के लिये ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सुमेर सिंह यादव (यदुवंशी) द्वारा एमआई ऑफसेट वर्क्स, बरखेडी भोपाल (मप्र) प्रिंटिंग प्रेससे मुद्रित तथा बीडीए प्लॉट नं. 184 पंचशील नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक-सुमेर सिंह यादव
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : sumer.yaduwanshi@gmail.com, Mo. 9893699950